दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

होम लाइफ बैलेंस भी .....

ऐसे बनाएं खुशहाल.....

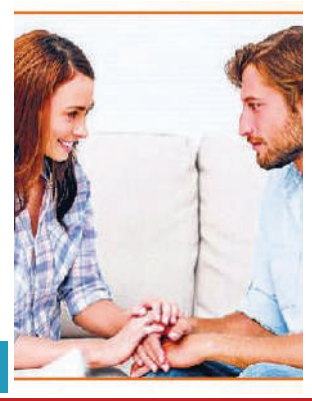

वर्ष : 12 | अंक : 57 | लखनऊ, 18 फरवरी, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

अहमदाबाद सहित गुजरात के 6 कोर्ट को धमकी

नई दिल्ली। गुजरात की 6 अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हड़कंप मच गया।

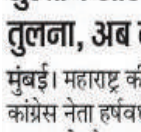

अधिकारियों ने कहा कि अहमदाबाद, वडोदरा, वलसाड, राजकोट, गांधीनगर और मेहसाणा की कोर्ट को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। बम की धमकी मिलने बाद अधिकारियों ने सभी अदालतों की तलाशी ली। जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को एनजीटी की मंजूरी

नई दिल्ली। एनजीटी ने ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट

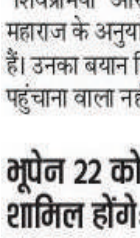

टर्मिनल सहित बड़ी अवसंरचना परियोजना को मंजूरी दे दी है। ट्रिब्यूनल ने कहा पर्यावरणीय स्वीकृति में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं और हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। कोलकाता स्थित पूर्वी जोनल बेंच की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रकाश श्रीवास्तव ने की।

सुल्तान और शिवाजी की तुलना, अब मांगी माफी

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल के बयान को लेकर घमासान मचा

हुआ था। उन्होंने टीपू सुल्तान की तुलना शिवाजी महाराज से कर ऐसी फजीहत मोल ली कि अब उन्हें माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने कहा कि माफी 'शिवप्रेमियों' और छत्रपति शिवाजी महाराज के अनुयायियों से मांग रहे हैं। उनका बयान किसी को ठेस पहुंचाना वाला नहीं था।

भूपेन 22 को भाजपा में शामिल होंगेः सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार शाम को ऐलान किया है कि कांग्रेस

के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। सरमा ने कहा कि बोरा के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपामें आएंगे। बोरा के आने से असम में बीजेपी को मजबूती मिलेगी। सरमा ने भूपेन बोरा से मुलाकात की।

जेल से बाहर आए राजपाल, बोले-शुक्रिया

नई दिल्ली। अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। बीते दिनों चेक बाउंस से जुड़े

एक मामले में उन्होंने तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब उन्हें हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। अभिनेता जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मुश्किल वक्त में साथ देने वालों का और अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया।

संगठित हो हिंदू समाज : डॉ. मोहन भागवत

अमन लेखनी समाचार / डॉ0 राज कुमार सिंह चौहान वरिष्ठ पत्रकार

लखनऊ। हिंदू समाज को संगठित और सशक्त होने की आवश्यकता है। हमको किसी से खतरा नहीं है, लेकिन सावधान रहना है।यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोलते हुए कही। हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। वैज्ञानिकों के हवाले से उन्होंने कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए। डॉ. भागवत ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है।

उन्होंने कहा कि सद्भाव ना रहने से भेदभाव होता है। हम सभी एक देश, एक मातृभूमि के पुत्र हैं।मनुष्य होने के नाते हम सब एक हैं। एक समय भेद नहीं था, लेकिन समय चक्र के चलते भेदभाव की आदत पड़ गई है, जिसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारधारा सद्भाव की विचारधारा है।

जो विरोधी हैं, उन्हें मिटाना है, ऐसा हम नहीं मानते। एक ही सत्य सर्वत्र है। इस दर्शन को समझ कर आचरण में लाने से भेदभाव समाप्त होगा।

सरसंघचालक ने कहा कि घर-परिवार का आधार मातृशक्ति है। हमारी परंपरा में कमाई का अधिकार पुरुषों को था, लेकिन खर्च कैसे हो, यह मातायें तय करती थी। मातृशक्ति विवाह के बाद दूसरे घर में आकर सभी को अपना बना लेती है। महिला को हमें अबला नहीं मानना है, वह असुर मर्दिनी है। हमने स्त्री की, प्रकृति की जो कल्पना की, वह बलशाली है। महिलाओं को आत्म संरक्षण का प्रशिक्षण होना चाहिए। पश्चिम में महिलाओं का स्तर पत्नी से है, हमारे यहां उन्हें माता माना जाता है। उनका सौंदर्य नहीं, वात्सल्य देखा जाता है।

यूजीसी गाइडलाइन को लेकर किए गए एक प्रश्न के उत्तर में सरसंघचालक ने कहा कि कानून सभी को मानना चाहिए। यदि कानून गलत है तो बदलने का उपाय भी है। जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए। समाज में अपनेपन का भाव होगा तो इस तरह की समस्या नहीं होगी। जो नीचे गिरे हैं, उन्हें झुक कर ऊपर उठाना पड़ेगा। सभी अपने हैं, यह भाव मन में होना चाहिए। संघर्ष से नहीं, समन्वय से दुनिया आगे बढ़ती है। एक को दबाकर दूसरे को खड़ा करने का भाव नहीं होना चाहिए।

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत निकट भविष्य में विश्व को मार्गदर्शन देगा। विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भारत के पास ही है।

डॉ. भागवत ने समाज की सज्जन शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि बस्ती स्तर पर सामाजिक सद्भाव से जुड़ी बैठकें नियमित होनी चाहिए। हम आपस में मिलेंगे तो गलतफहमियां दूर होंगी। इस प्रकार की बैठकों में रूढ़ियों से मुक्त होने पर चर्चा होनी चाहिए। जो समस्याएं सामने आएं, उनको दूर करने का प्रयास होना चाहिए। जो दुर्बल है, उनकी सहायता करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन जैसे देशों में बैठे कुछ लोग हमारी सद्भावना के विरुद्ध योजना बना रहे हैं। इससे हमें सावधान रहना होगा। एक दूसरे के प्रति अविश्वास समाप्त करना होगा। एक दूसरे के दुख दर्द में शामिल होना होगा।

कार्यक्रम में सिक्ख, बौद्ध, जैन समाज के साथ ही रामकृष्ण मिशन, इस्कॉन, जय गुरुदेव, शिव शांति आश्रम, आर्ट ऑफ लिविंग, संत निरंकारी आश्रम, संत कृपाल आश्रम, कबीर मिशन, गोरक्षा पीठ, आर्य समाज, संत रविदास पीठ, दिव्यानंद आश्रम, ब्रह्म विद्या निकेतन, सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

आज देखा जायेगा माह-ए-रमजान का मुबारक चांद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माह-ए-रमजान का चांद बुधवार को देखा जाएगा। चांद दिखने पर पहला रोजा 19 फरवरी को होगा नहीं तो 20 फरवरी को होगा। चांद दिखने के साथ ही सभी मस्जिदों में तरावीह की नमाज शुरू होगी। रमजान में तरावीह नमाज का विशेष महत्व है। तरावीह में बीस रकात नमाज अदा की जाती है। सभी मस्जिदों में तरावीह की नमाज विशेष रूप से अदा की जाती है। ज्यादातर मस्जिदों के लिए हाफिज-एकुरआ न तय हो चुके हैं। साथ ही इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया से तमाम मस्जिदों में पारे और समय की घोषणा कर दी गई है। शहर की अधिकांश मस्जिदों में ईशा यानी रात की नमाज आठ बजे होगी। इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी ने कहा कि तरावीह की नमाज मर्द व औरत सबके लिए सुन्नत है। तरावीह की नमाज पूरे माह-एर मजान में पढ़नी है। रमजान में तरावीह नमाज के दौरान एक बार खत्मे कुरआन करना सुन्नत है। दो बार खत्म करना अफजल हैं। तीन बार कुरआन मुकम्मल करना फजीलत माना गया है। ऐशबाग ईदगाह में औरतों की तरावीह की नमाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। चांद देखने की अपीलः मरकजी चांद कमेटी फरंगी महल के सदर एवं इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने तमाम मुसलमानों से अपील की कि वह 28 फरवरी रमजानुल मुबारक के चांद देखने का एहतिमाम करें। चांद देख कर कमेटी के अध्यक्ष को गवाही दें या इस सिलसिले में 9415023970 9335929670, 9415102947, 9839313602, 9889911119 9839132548 7376952721, 9140427677 इन नम्बरों पर सूचना दें। मरकजी शिया चांद कमेटी अध्यक्ष मौलाना सैय्यद सैफ अब्बास नकवी ने लोगों से अपील की है कि 18 फरवरी को रमजान का चांद देखनें की कोशिश करें। अगर चांद दिखाई देता है तो इन नम्बरों पर 9839097407, 9415784680, 9651623004, 7905912573, 9621168661, 9415580936 बताएं। लैलात अल-कद्र का महत्वःलैलात अल-कद्र रमजान की आखिरी 10 रातों की विषम रातों में से एक होती है। इस रात को हजार महीनों से बेहतर बताया गया है। कई हदीसों के अनुसार, 27वीं रात को लैलात अल-कद्र माना जाता है। इस रात में इबादत, दुआ, दान और नेक काम का सवाब कई गुना बढ़ जाता है। ईद-उल-फितर कब और क्यों मनाई जाती है ?: ईद-उल-फितर रमजान के महीने के खत्म होने के बाद मनाई जाती है। इसे रोजा खोलने का त्योहार भी कहा जाता है। 30 रोजे पूरे होने के बाद शव्वाल महीने के पहले दिन ईद मनाई जाती है। लोग इस दिन एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हैं। रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बिताते हैं और बच्चों को ईदी देते हैं। ईद-उल-फितर अल्लाह के प्रति आभार का प्रतीक है। यह पर्व त्याग और भाईचारे का संदेश देती है। जकात-उल-फितर क्या है ?: रमजान के अंत में और ईद की नमाज से पहले जकात-उल-फितर देना अनिवार्य होता है। यह आमतौर पर गेहूं, चावल या अन्य खाद्य सामग्री के रूप में दी जाती है।

सीएम ममता का ईसीआई पर हमला

अगर वो 420 हैं... तो मैं 440 वोल्ट हूं, वह 'टॉर्चर कमीशन'

मुख्यमंत्री ने एसआईआर पर उठाए सवाल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला किया। उन्होंने आयोग को 'टॉर्चर कमीशन' बताया और हिटलर और तुगलकी अंदाज में काम करने का आरोप लगाया। ममता ने सवाल उठाया कि क्या कोई 'तुगलकी आयोग' चुनाव कराता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग जिलाधिकारियों को निर्देश दे रहा है और चेतावनी दी कि अगर किसी वैध मतदाता का नाम हटाया गया तो उनकी पार्टी इसका तीव्र विरोध करेगी। उनकी सरकार निष्पक्ष एसआईआर में आयोग को पूरा सहयोग देगी, लेकिन मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे आयोग के सभी लोगों को दोषी नहीं ठहरा रहीं, बल्कि एक व्यक्ति को जिम्मेदार मानती हैं और जनता के हित में जेल जाने या किसी भी कुर्बानी के लिए तैयार हैं। ममता ने कहा कि मैं पीछे नहीं हटूंगी। अगर कुछ लोग 420 हैं, तो मैं 440 वोल्ट हूं।

मंत्री शाह मिले सुवेंदु से आज जाएंगे बंगाल

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री के बंगाल आगमन से कुछ घंटे पहले बंगाल को लेकर दिल्ली में अहम बैठक हुई है। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है। गृहमंत्री के आवास पर हुई यह मुलाकात लगभग 30 मिनट तक चली। वे राजधानी दिल्ली पहुंचते ही वो सीधा गृहमंत्री के आवास पर गए। इसके बाद दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक मुलाकात हुई।

यहां चुनाव से पहले बड़ा सियासी उलटफेर

पूर्व एनएसजी कमांडर समेत कई जाने-माने लोग भाजपा में शामिल

बंगाल में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले प्रदेश की राजनीति में बड़े उलटफेर होने शुरू हो गए हैं। मंगलवार को कोलकाता में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य की मौजूदगी में कुछ जाने-माने लोग भाजपा में शामिल हुए। इनमें पूर्व एनएसजी कमांडर और अंडरकवर एजेंट रहे दीपांजन चक्रवर्ती, सीआरपीएफ के पूर्व डीएसपी बिप्लब बिस्वास और पूर्व कद्दावर वामपंथी मंत्री खिती गोस्वामी की बेटी कस्तूरी गोस्वामी शामिल हैं।

अयोध्या में होगा विशेष कार्यक्रम

राष्ट्रपति मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों का करेंगी अभिनंदन

अमन लेखनी समाचार/ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा 2 दिनी बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में जारी विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से जानकारी दी और निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दोहराई। समिति के अध्यक्ष मिश्रा ने बताया कि 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अयोध्या आएंगी। इस दौरान वे मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले करीब 400 श्रमिकों को सम्मानित करेंगी।

निर्माण अप्रैल तक पूरे होंगे

मिश्रा ने बताया कि हुतात्मा स्मारक और अस्थायी रामलला मंदिर को स्थायी स्मारक के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन निर्माण कार्यों को अप्रैल के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नई दिल्ली-चेन्नई एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में आग, हड़कंप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां से चेन्नई जा रही ट्रेन नंबर 12616 के स्लीपर कोच में मंगलवार दोपहर आग लग गई। यह घटना सेंट्रल रेलवे के नागपुर डिविजन में सिंधी और तुलजापुर स्टेशनों के बीच हुई। धुआं देखते ही ट्रेन को सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत रोक दिया गया। यात्रियों को सुरक्षित रखा गया और किसी को चोट नहीं आई। रेलवे स्टाफ ने तेजी से कार्य करते हुए प्रभावित कोच को ट्रेन से अलग कर दिया। स्थानीय फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। स्थानीय रेलवे कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाया।

चार धाम यात्रा के लिए सरकारी समिति कर रही बड़ा बदलाव

अब श्रद्धालुओं को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए चुकाने होंगे कम से कम 10 रुपए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में बदलाव किया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों को अब फीस देनी होगी। फीस जल्द से जल्द तय करने के लिए गढ़वाल डिवीजन के एडिशनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। मामले की अधिक जानकारी देते हुए गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बताया कि चार धाम यात्रा के लिए फर्जी रजिस्ट्रेशन रोकने के लिए कम से कम 10 रुपए फीस ली जानी चाहिए। कमेटी की रिपोर्ट आने और सरकार से मंजूरी मिलने के बाद फाइनल फीस तय होगी।

कमेटी करेगी शुल्क का निर्धारण

उत्तराखंड में अनगिनत धार्मिक जगह

उत्तराखंड को देवभूमि या देवताओं की भूमि भी कहा जाता है। यहां कई विश्व प्रसिद्ध मंदिर हैं। पूरे साल भक्तों का तांता लगा रहता है। उत्तराखंड में भक्त जिन अनगिनत धार्मिक जगहों पर जाते हैं, उनमें सबसे खास चार धाम यात्रा है।

यात्रा में 4 पवित्र स्थल शामिल

यह यात्रा या तीर्थयात्रा हिमालय में ऊंचाई पर बसे चार पवित्र स्थलों, यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ हैं। ऊंचाई पर बने ये मंदिर हर साल लगभग छह महीने के लिए बंद रहते हैं, जो गर्मियों (अप्रैल या मई) में खुलते हैं और सर्दियों (अक्टूबर या नवंबर) की शुरुआत के साथ बंद हो जाते हैं।

भारत विस्तार...किसान अपनी भाषा में ही खेती की समस्या बता सकेंगे

एक कॉल पर मिलेगी मौसम, मंडीभाव और खेती की जानकारी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सरकार देश के किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने जरूरी कदम उठाई है। मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के लिए 'भारत विस्तार' को लॉन्च किया है। यह एक एआई-पावर्ड मल्टीलिंगुअल टूल है। इसकी मदद से किसान मोबाइल या एक सिंपल फोन कॉल के जरिए उनकी अपनी भाषा में खेती से जुड़ी सभी जानकारी ले सकते है। भारत विस्तार किसानों के लिए सरकार द्वारा बनाया गया एक नया डिजिटल साथी प्लेटफॉर्म है। यह एआई आधारित प्लेटफॉर्म किसानों को फोन कॉल, चैटबॉट और आगे चलकर ऐप के जरिए मौसम, मंडीभाव, कीटरोग, मिट्टी, फसल सलाह और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही जगह पर देगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने दी सुविधा

भारतविस्तार का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं किसान?

- भारत विस्तार एक डिजिटल कृषि विशेषज्ञ के रूप में दो माध्यमों (भारतविस्तार चैटबॉट – फोन कॉल) से 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।
- भारत विस्तार के अंदर मौजूद बोलने वाला एआई सहायक 'भारती' ।
- किसानों से यह बातचीत कर सकता है, आसान भाषा में प्रश्नों के उत्तर दे सकता है।

6 माह के अंदर 11 भाषाओं में मिलेगी सुविधा

फेज1 में यह सुविधा हिंदी व अंग्रेजी में शुरू है और महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात सहित कई राज्यों के लाखों किसानों तक पहुंचेगी। अगले 3 महीनों के भीतर यह तमिल, बंगाली, असामिया और कन्नड़ भाषाओं में उपलब्ध होगा। अगले 6 महीनों के भीतर यह कुल 11 भाषाओं (अंग्रेजी, हिंदी और 9 क्षेत्रीय भाषाएं) में उपलब्ध होगा।

हेल्प लाइन नंबर जारी किया

- अगर आपके पाससाधारण मोबाइल फोन हैं तो आप कॉल के जरिए भारत-विस्तार का लाभ ले सकते हैं। इससे टेलीफोन हेल्पलाइन 155261 को जोड़ा गया है जिस पर आप कॉल कर सकते हैं।
- 10 प्रमुख केंद्रीय योजनाओं की जानकारी
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
- संशोधित ब्याज अनुदान योजना
- कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन
- प्रति बूंद अधिक फसल
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान
- कृषि अवसंरचना कोष

गुजरात दौरे पर भाजपा अध्यक्ष नितिन

तीन दिन में करेंगे कई अहम बैठकें, बजट मीट में भी जाएंगे

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

भाजपाके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 20 से 22 फरवरी तक गुजरात के 3 दिन के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद और गांधीनगर में कई संगठनात्मक बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। यह पार्टी के शीर्ष पद का कार्यभार संभालने के बाद उनका राज्य का पहला आधिकारिक दौरा होगा। गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन का यह राज्य का पहला दौरा है। 20 फरवरी

को वे सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। नबीन अहमदाबाद के नारनपुरा स्थित जीएससी बैंक में सांसदों और विधानसभा सदस्यों से बातचीत करेंगे। वे गांधीनगर के इंफोसिटी में आयोजित 'बजट मीट में भी शामिल होंगे।

लूट की फर्जी सूचना देने वाला गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। काकोरी में आउटर रिंग रोड चकौली अंडरपास के पास व्यवसायी अजय प्रताप ने खुद के साथ ढाई लाख रुपये लूट की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। फोन कर सूचना दी कि फार्च्यूनर सवार तीन बदमाशों ने ढाई लाख रुपये से भरा बैग उनसे लूट लिया है। पुलिस की तफ्तीश में घटना फर्जी मिली। पुलिस ने अजय प्रताप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि बीकेटी के भैंसामऊ दिव्या सिटी निवासी अजय प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि आउटर रिंग रोड पर चकौली से काकोरी जाने वाले मार्ग पर फॉर्च्यूनर गाड़ी सवार तीन लोगों ने उनसे ढाई लाख रुपये लूट लिये। पड़ताल में सामने आया कि फॉर्च्यूनर सवार कानपुर गल्लामंडी निवासी महेश कुमार अपने चालक संदीप के साथ रहीमाबाद में सतगुरु आश्रम जा रहे थे। इस बीच चकौली के पास अजय सिंह के कार सही से न चलाने व बाइक सवार से विवाद करने पर दोनों में कहासुनी हो गयी। विरोधियों को फसाने के लिए अजय ने झूठी सूचना दी।

सुशांत गोल्फ सिटी में शादी समारोह के दौरान जेवर व नकदी से भरा बैग गायब, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। सुशांत गोल्फसिटी थाना क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस में शादी समारोह के दौरान जेवर और नकदी से भरा लेडीज बैग संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुगार्पुरी तिराहा, नीलमथा निवासी प्रेमचंद सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके बेटे के विवाह समारोह के लिए 3 और 4 फरवरी को Rajputana Resort बुक किया गया था। बताया गया कि 3 फरवरी की रात करीब 9:30 बजे संगीत समारोह चल रहा था। इसी दौरान अचानक 5 से 7 मिनट के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आरोप है कि इसी बीच उनकी समधन अंजू जायसवाल का लेडीज बैग गायब हो गया। बैग में मंगलसूत्र, सोने के झुमके, घर की चाबी, करीब 20 हजार रुपये नकद और एक OnePlus Nord 2 मोबाइल फोन रखा था।

सभी हिन्दुओं के लिए खुले हों मन्दिर, कुआं और श्मशान : डॉ. मोहन भागवत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि मन्दिर कुआं और श्मशान सभी हिन्दुओं के लिए खुले होने चाहिए और उनमें कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरसंघचालक निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर के माधव सभागार में ₹कार्यकर्ता कुटुम्ब मिलन₹ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि करियर क्या है? पेट भरना, ज्यादा कमाना, उपभोग करना करियर नहीं है। करियर कमाने से ज्यादा बाँटने में है। बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जो अमीर होकर दान दें, दूसरों के लिए जीना सीखें। घरों में ऐसे संस्कार देने होंगे जिनके अनुसार बच्चे यह समझें कि हमारा हित ही देश के साथ है। मेरे लिए मेरा देश ही पहले है। विद्या और धन अपने देश के लिए कमाना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास होने चाहिए। संघ सारे हिन्दू समाज को एक मानता है। इसलिए हमें व्यक्तिगत स्तर पर और पारिवारिक स्तर पर आपसी मेलजोल बढ़ाना चाहिए। सामाजिक समरसता भाषण से नहीं, करने से आएगी। संघ के कुटुम्ब में जात-पात नहीं है। ऐसा ही समाज में करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि संघ पुस्तकें पढ़ने की अपेक्षा स्वयंसेवक को देखने से अधिक समझ में आता है। सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि समाज की इकाई व्यक्ति नहीं परिवार है। सामाजिक व्यवहार का परीक्षण परिवार में होता है। बचत करना हमारे परिवारों की आदत में है। देश का धन हमारे घरों में रहता है। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मातृभाषा ठीक से आए। हमारे अन्दर देशभक्ति, प्रमाणिकता, अनुशासन और कुटुम्ब गौरव का भाव होना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि 100 से 70 की संख्या में कुटुम्ब मिलन बस्ती और शाखा स्तर पर होना चाहिए। हमें अभाव में नहीं रहना है लेकिन किसी के प्रभाव में भी नहीं आना है। जैसा संघ है वैसा ही हमारा जीवन होना चाहिए। पंच परिवर्तन कार्यक्रमों में मातृशक्ति की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि हिन्दुस्थान हिन्दू राष्ट्र है, हम सभी हिन्दू अपने सहोदर हैं। समाज में जो भी वर्ग संघ के निकट नहीं है, संघ कार्यकताओं को उनके निकट जाना चाहिए। उनसे आत्मीयतापूर्ण सम्बन्ध विकसित करने चाहिए। वह सम्बन्ध चौराहे से शुरू होकर कुटुम्ब तक विस्तृत हों। सब अपने हैं, हमें यह मानकर व्यवहार करना है। सरसंघचालक ने कहा कि हम तकनीक को नहीं रोक सकते लेकिन इसका उपयोग अनुशासन में रहकर हो। कितने समय तक क्या देखना है यह निर्धारित होना चाहिए। विज्ञान एआई, टीवी, मोबाइल और फिल्मों की हानियाँ भी बताता है। नई पीढ़ी को यह सब बताना चाहिए। सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज भारतीय ज्ञान परम्परा को सभी जगह माना जाता है। यह विषय हमें अपने बच्चों को बताना चाहिए। तब उन्हें समझ में आएगा कि हम क्या हैं। उन्होंने आगे कहा कि संघ चिरतरुण संगठन है और भारत के सबसे अधिक युवा संघ के पास हैं।

गोवा घूमने जा रहे एक यात्री के पास से .32 बोर का जिंदा कारतूस बरामद

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। राजधानी के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से सोमवार को इंडिगो की उड़ान से अपनी नव विवाहित पत्नी के साथ गोवा घूमने जा रहे एक यात्री के पास सुरक्षा जांच के दौरान .32 बोर का जिंदा कारतूस मिलने से सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में ले लिया। बाद में उसे सरोजनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया गया। हालांकि बाद में यात्री ने थाने पर पुलिस को अपने शस्त्र का लाइसेंस दिखाया, जिसके बाद उसे थाने से छोड़ दिया गया। लेकिन उसकी फ्लाइट छूट गई। जिसकी वजह से वह उक्त विमान से यात्रा नहीं कर सका।एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि कानपुर निवासी आकाश कुमार की बीती 11 फरवरी को शादी हुई थी। सोमवार को वह अपनी पत्नी के साथ लखनऊ एयरपोर्ट से दोपहर बाद करीब 3:30 बजे गोवा जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 399) से गोवा घूमने जा रहे थे। लेकिन इसी दौरान लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान यात्री आकाश की बैग से सीआईएसएफ को .32 बोर का एक जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। इस पर सीआईएसएफ जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया और बाद में पूछताछ कर सरोजनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया। जहाँ बाद में यात्री ने सरोजनी नगर थाने पर अपने शस्त्र का लाइसेंस मंगा कर दिखाया। पूछताछ में उसने बताया कि उक्त कारतूस गलती से उसके बैग में चला आया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। लेकिन इस मामले को लेकर एयरपोर्ट और थाने के बीच काफी समय बीत जाने के कारण उसकी यह उड़ान छूट गई।

पार्षद रामनरेश रावत ने अपने प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी से कराया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर द्वितीय 18 के अंतर्गत अवध विहार कॉलोनी मे दिलीप सिंह के मकान से मदन गुप्ता के घर होते हुए विमल श्रीवास्तव के मकान तक इंटरलॉकिंग रोड व नाली 60 मीटर लंबी चार मीटर चौड़ी तथा दूसरी रोड अवध विहार की मीरा सिंह के मकान से सीता देवी के मकान होते हुए खान साहब के घर तक लगभग 160 मीटर लंबी व चॉर मीटर चौड़ी नवनिर्माण इंटरलॉकिंग कार्य का शिलान्यास पार्षद रामनरेश रावत ने अपने दिशा निर्देश से अपने प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी से संपन्न कराया शिलान्यास कार्यक्रम को फूलमाला एवं धूप दीप से पूजा कार्य करवा कर रामेश्वर त्यागी व ऋषि राम से नारियल फोड़वा कर तथा प्रवीण बक्शी व संजय ओझा जी से फाडवा मरवा कर दोनो कार्यो का शुभारंभ कराया गया

लेकिन अब डूडा विभाग से 20 लाख रुपए की धनराशि से नवनिर्माण इंटरलॉकिंग सड़क व नाली का निर्माण किया जाएगा जिससे यहां के लोगों को काफी राहत मिलेगी शिलान्यास होने से यहां के लोग काफी खुश नजर आए लोगों ने एक दूसरे को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर अपनी खुशी एक दूसरे से साझा की इसके लिए अवध विहार कॉलोनी की तरफ से संतोष त्रिपाठी ने व कालोनी के लोगों ने महापौर सुषमा खर्कवाल,विधायक राजेश्वर सिंह का आभार व्यक्त किया राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार,महापौर सुषमा खर्कवाल विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री डॉ. नीरज सिंह , महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार, एवं पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट, व मंडल अध्यक्ष के. के. श्रीवास्तव आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से अवध विहार कॉलोनी में यह निर्माण कार्य होने जा रहा है जिसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान आलोक श्रीवास्तव सेक्टर संयोजक, रितेश दुबे, चंदन, फूलचंद गौतम, प्रखर, दीपक प्रजापति, प्रिंस, आशीष रावत, कासिम, अनीता बक्शी, मीरा सिंह, चंद्रमुखी शर्मा, सीता देवी, सहित तमाम लोग उपस्थित रहे ।

विवाहिता ने ससुरालियों पर लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप

लखनऊ ।, आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत जबरन गर्भपात करा तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी देने का आरोप लगा नामजद मुकदमा दर्ज कराया हैं। आशियाना थाना क्षेत्र के ख्वाजापुर रमाबाई निवासी दीपा पुत्री स्व. महेश राजपूत के अनुसार उसकी मुलाकात 17 फरवरी 2023 को इंस्टाग्राम के माध्यम से बांदा जनपद के बिसंडा क्षेत्र निवासी शिव हनुमान पटेल से हुई थी। आरोप है कि बातचीत बढ़ने के बाद युवक लखनऊ आकर किराये के कमरे में रहने लगा और डेढ़ वर्ष तक लिव-इन रिलेशन में रहे।इस दौरान युवक ने नौकरी लगने के बाद विवाह करने का आश्वासन दिया। पीड़िता के अनुसार, जब उसने गर्भवती होने की जानकारी दी तो युवक ने नाराज होकर उसके साथ मारपीट की और कथित रूप से जबरन दवा खिलाकर गर्भपात करा मंदिर में विवाह किया और बाद में कोर्ट मैरिज कर पति सहित ससुराल पक्ष ने पांच लाख रुपये नकद, टीवी, फ्रिज, एसी और गहनों की मांग की।

गैस सिलेंडर में आग लगने से दो युवक गंभीर रूप से झुलसे

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर में मंगलवार दोपहर खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से दो युवक गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची दमकल टीम ने करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में अंदर रखा करीब 2 लाख रुपये कीमत का सामान जलकर खाक हो गया। वही दोनों घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरोजनी नगर के अमौसी गांव निवासी दिलशाद उर्फ शिबू अमौसी रेलवे स्टेशन स्थित टीएसएम हॉस्पिटल के सामने अनौरा गांव निवासी यदुवीर यादव की मार्केट में किराए पर बिरयानी की दुकान संचालित करते हैं। सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा निवासी सुफियान (22) और अफजल (23) इसी दुकान में रहकर काम करते है। मंगलवार को दुकान में बिरयानी बेचने का काम बन्द रहता है।दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों अपने लिए खाना बना रहे थे।तभी अचानक गैस चूल्हे से पाइप निकल गई और सिलेंडर से आग की तेज लपटें उठने लगी। दोनों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बल्कि आग बुझाने के चक्कर में सुफियान और अफजल झुलस गए। बाद में लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को दी।इस बीच लोगों ने सिलेंडर में लगी आग किसी तरह बुझा ली।लेकिन दुकान के अंदर तेज धुएं के साथ आग की लपटें बढ़ती रहीं। वहीं सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को आनन फानन सिविल अस्पताल पहुंचाया। जबकि सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में एक दमकल गाड़ी के साथ पहुंची फायर टीम ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। दिलशाद के मुताबिक इस घटना में करीब 2 लाख का उसका नुकसान हुआ है। फिलहाल सिविल अस्पताल में दोनों घायलों का इलाज जारी है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। उधर मंगलवार दोपहर सरोजनी नगर के हाइडिल स्थित 400 केवी सब स्टेशन स्थित घास फूस में संदिग्ध हालत में आग लग गई। सूचना पाकर सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची एक दमकल गाड़ी ने करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। फिलहाल इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बेखौफ चोरों ने पुलिस विभाग में तैनात महिला मुख्य आरक्षी के घर का ताला तोड़कर गहने किया चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों बेखौफ चोरों ने पुलिस विभाग में तैनात एक महिला मुख्य आरक्षी के बन्द घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए कीमत के गहने चोरी कर लिए। जानकारी होने के बाद पीड़िता ने बिजनौर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रायबरेली जिले के बेहटा कला निवासी वासुदेव की पत्नी अनिता यादव राजधानी लखनऊ स्थित पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा मुख्यालय में मुख्य आरक्षी पद पर तैनात हैं। वह बिजनौर के पुराना गुड़ौरा स्थित मनीष यादव गेट के पास अयोध्या पुरी में रहती हैं। अनिता के मुताबिक उनके बेटे की 19 फरवरी को शादी है। जिसके लिए वह 12 फरवरी को अपने घर में ताला बंद कर रायबरेली स्थित अपने मूल गाँव चली गई थी। 15 फरवरी को अनिता के बिजनौर स्थित घर से कुछ दूर रहने वाले उनके भाई दुर्गेश कुमार ने उनके घर का ताला टूटा होने की सूचना दी। यह जानकारी पाकर अनिता घर पहुंची तो अलमारी में रखे उनकी सास के करीब साढ़े 3 लाख रुपये कीमत के चांदी के गहने गायब मिले। साथ ही घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी गायब मिला। बाद में उन्होंने इसकी सूचना बिजनौर पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि इस घटना को लेकर पुलिस की दो और सर्विलांस की एक टीम लगाई गई है। पीड़िता के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही घटना अंजाम देने वाले चोरों को पकड़कर इसका खुलासा कर दिया जाएगा।

शिव मंदिर की पहली वर्षगांठ पर भगवान जगन्नाथ की प्राण प्रतिष्ठा

अमन लेखनी समाचार

भंडारे में प्रसाद वितरित करते श्रद्धालु

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के कनार गांव में मंगलवार को आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव के किनारे स्थित भव्य शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ को ग्रामीणों ने एक महापर्व के रूप में मनाया। पूरे दिन मंदिर परिसर भक्ति रस में डूबा रहा और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। वर्षगांठ समारोह उस समय और ऐतिहासिक बन गया, जब मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ की मूर्ति की विधि-विधान से स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि के बीच नए विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। जय जगन्नाथ और हर-हर महादेव के उद्घोष से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और अनेक लोगों की आंखें भावविभोर हो उठीं। धार्मिक अनुष्ठान का संचालन क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों—नवल किशोर पांडे, कमल किशोर पांडे, राजेश कुमार द्विवेदी, रमाकांत पांडे, उमाकांत पांडे एवं अभिषेक द्विवेदी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। महिलाओं ने मंगलगीत गाए तो युवाओं ने व्यवस्था संभाल कर अनुकरणीय योगदान दिया। वर्षगांठ एवं मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। प्रारंभ हुए भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर अनुशासन और सेवा-भाव की विशेष झलक देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बन गया है। इस अवसर ने क्षेत्र में भाईचारे, समरसता और अटूट आस्था का संदेश दिया। कनार गांव का यह आध्यात्मिक उत्सव लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में अंकित रहेगा।

साइबर जालसाजों ने खाताधारक से ठगे 2.41 लाख

लखनऊ। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले एक खाताधारक से जालसाजों ने 2.41 लाख रुपये आनलाइन ठगी कर हडप लिए। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित विनय नगर निवासी अशोक अग्निहोत्री पुत्र स्व श्री राम अग्निहोत्री ने बताया बीते 15 नवंबर को प्रातः लगभग 10 बजे उनके पास एक फोन कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को उनका पुराना मित्र अशोक गुप्ता बताया और हरियाणा में होने तथा पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने की बात कहकर अपने पुत्र के खाते में 40 हजार रुपये भेजने का अनुरोध किया।विश्वास में आकर उन्होंने अपने भारतीय स्टेट बैंक, अशोक मार्ग शाखा, लखनऊ स्थित बचत खाते से पेटीएम के माध्यम से बताई गई संख्या पर 40 हजार रुपये भेज दिए। इसके तुरंत बाद और धनराशि की मांग की गई, जिससे उन्हें संदेह हुआ।

पिकअप ने बाइक सवार मजदूर को कुचला, मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मंगलवार देर शाम दुबग्गा नौबस्ता रेलवे ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार शटरिंग मजदूर को पीछे से टक्कर मारने के बाद कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, उन्नाव जनपद के हसनगंज थाना क्षेत्र के नींदिंमऊ गांव निवासी आशीष कुमार (26) शटरिंग मजदूर थे। उनके साथी सलमान ने बताया कि मंगलवार देर शाम वे लोग भिठौली से शटरिंग का सामान एक लोडर में लदवाकर काकोरी की ओर जा रहे थे। कुछ मजदूर लोडर में सवार थे, जबकि आशीष और सलमान बाइक से पीछे आ रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आई पिकअप ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद आशीष सड़क पर गिर पड़े, तभी पिकअप चालक ने उन्हें रौंद दिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद लगा जाम दुर्घटना के चलते हरदोई हाईवे पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ओवरब्रिज पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्य के कारण बाजनगर से काकोरी तक एक ही लेन में यातायात संचालित हो रहा है। संकरी लेन और तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। आशीष अविवाहित था। परिवार में पिता रामसेवक, मां रामजानकी और एक भाई हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस संबंध में दुबग्गा इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

नीलगायों के आतंक से बर्बाद हो रही फसलें

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में नीलगायों का आतंक किसानों के लिए गहरी चिंता का विषय बन गया राती भजन मऊ दयालपुर बाजपेयी खेड़ा शेरपुर लवल समेसी देवी खेड़ा मीरखनगर पूरहिया सहित दर्जनों गांवों में नीलगायों के झुंड खेतों में घुसकर तैयार फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हालात यह कि किसान अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए रात-रात भर खेतों में पहरा देने को मजबूर लेकिन इसके बावजूद नुकसान रुक नहीं पा रहा किसानों के अनुसार इस समय सरसों मटर और गेहूं की फसल खेतों में खड़ी जैसे ही फसल तैयार होने की स्थिति में पहुंचती नीलगायों का झुंड रात के अंधेरे में खेतों पर धावा बोल देता विशेष रूप से मटर की फसल को सबसे अधिक नुकसान हो रहा ग्रामीणों का कहना कि एक झुंड कुछ ही घंटों में आधा से अधिक खेत साफ कर देता स्थानीय किसान सजीवन मोहनलाल बाबू सहित कई अन्य किसानों ने बताया कि दिनभर मेहनत करने के बाद रात में भी उन्हें खेतों में जागना पड़ता है सर्द रातों में अलाव जलाकर पहरा देना उनकी मजबूरी बन गया कई किसानों ने खेतों के चारों तरफ तारबाड़ या अस्थायी बाड़ लगा ली लेकिन ऊंची छलांग लगाने वाली नीलगायों के सामने यह इंतजाम भी बेअसर साबित हो रहे ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में नीलगायों की संख्या लगातार बढ़ रही आसपास के खाली पड़े क्षेत्रों और खेतों में आसानी से भोजन मिल जाने के कारण ये झुंड बनाकर घूम रही ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

सरोजनीनगर में पॉजिटिव थिंकिंग, हेल्दी लाइफ कार्यशाला आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने हेल्थ केयर ट्रस्ट के सहयोग से पॉजिटिव थिंकिंग, हेल्दी लाइफ विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि विकसित भारत के लिए स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने गैर-संचारी बीमारियों में तेजी से हो रही वृद्धि पर चिंता जताते हुए बताया कि इनसे देश को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। कार्यक्रम में SGPGI समेत क्षेत्र के प्रमुख अस्पतालों का उल्लेख करते हुए सरोजनीनगर को स्वास्थ्य राजधानीह्व बनाने की दिशा में प्रयासों पर जोर दिया गया। इस दौरान मैक्स लखनऊ के निदेशक प्रमित मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

साइबर जालसाजों ने खाते से उड़ाए एक लाख रुपये, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डिजिटल भुगतान की बढ़ती सुविधा के बीच साइबर अपराधियों का जाल भी उतनी ही तेजी से फैल रहा है। ताजा मामला रहीमाबाद थाना क्षेत्र का है, जहां अज्ञात साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से यूपीआई के जरिए एक लाख रुपये उड़ा दिए। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम लालूहर निवासी संतलाल का खाता बैंक ऑफ बड़ौदा की रहीमाबाद शाखा में संचालित है। पीड़ित के मुताबिक बीते 11 अक्टूबर 2025 को उनके खाते से यूपीआई माध्यम से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल एक लाख रुपये निकाल लिए गए। संतलाल का कहना है कि उन्होंने उस दिन कोई ऑनलाइन लेन-देन नहीं किया। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन की सूचना मिलते ही उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही मामला साइबर अपराध पोर्टल पर भी दर्ज कराया। पीड़ित ने रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। संबंधित खातों और ट्रांजेक्शन डिटेल की जांच की जा रही है। पुलिस साइबर सेल की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

संक्षेप

मार्ग दुर्घटना मे घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गौरी निवासी मयंक कुमार 22 वर्ष पुत्र अमित कुमार अपने घर से कुछ सामान खरीदने कस्बा बीघापुर गया जहां से वापस लौटते समय उन्नाव से लालगंज नेशनल हाईवे में बिजली पावर हाउस के निकट पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था राहगीरों की मदद से सौ शय्या अस्पताल बीघापुर में लोगों ने भर्ती कराया जहां पर मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर हैलेट के लिए रेफर कर दिया इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई मृतक के पिता अमित कुमार ने थाने में तहरीर दी तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लियो

छात्र छात्राओं ने किए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रशस्तिपत्र देकर किया गया सम्मानित

पुरवा, उन्नाव। मंगलवार को ब्लाक सभागार में आयोजित हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया वहीं ब्लाक प्रमुख ने प्रशस्तिपत्र सौंपकर सम्मानित किया। ब्लाक सभागार में मंगलवार को आयोजित ?हमारा आंगन, हमारे बच्चे? कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सतीश चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद्र, सीडीपी ओ दिनेश प्रजापति, पूर्व एआरपी आलोक अवस्थी, एआरपी टीम के राकेश शुक्ला, मयंक मिश्रा, शिक्षक संकुल योगेश कुमार, अविनाश सिंह, डा अक्षत , शैलेन्द्र पटेल, आशीष कुमार सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्री लक्ष्मीदेवी व रजनी आदि ने प्रतिभाग किया।जहां परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।प्राथमिक विद्यालय अचल खेड़ा की सृष्टि, उच्च प्राथमिक विद्यालय बेबल कंपोजिट कार्तिक कुमार त्रिवेदी, प्राथमिक विद्यालय कटरा से आनंद, सृष्टि, दीपाली व उन्नति, प्राथमिक विद्यालय कस्टोलवा से आंनद व दीपांजलि को ब्लॉक प्रमुख सतीश चौधरी ने प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

अनियंत्रित ई रिक्शा पलटा आधा दर्जन लोग घायल

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में हरदोई मार्ग पर स्थित ग्राम नसिरापुर के निकट आज मंगलवार की सुबह गंजमुरादाबाद की ओर जा रहा तेज रफ्तार ई-रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार सुधा 40 पत्नी राजकुमार व सोनकली 40 पत्नी रामविलास निवासी मोहल्ला अंबेडकर नगर, राहुल 25 पुत्र रामकिशोर निवासी मोहल्ला नौनिहाल गंज, शम्मो 40 पत्नी अनीस व गुड़िया 50 पत्नी राजू निवासी मोहल्ला कस्बा टोला और पिंकी 35 पत्नी अशोक निवासी मोहल्ला पटेल नगर बांगरमऊ गंभीर घायल हो गए।सूचना पर पहुंचे परिजन आनन-फानन घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां घायलों का इलाज जारी है।

डीएम व एसपी ने पुष्पगुच्छ देकर आईजी का किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) लखनऊ रेंज किरण एस मंगलवार को पुलिस लाइन पहुंचे। जिलाधिकारी गौरांग राठी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका औपचारिक स्वागत किया।

आईजी को जनपद की कानून-व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद विभागीय समीक्षा बैठक हुई, जिसमें अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण, महिला अपराध, संगठित अपराध और शांति-व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद्र, क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह तथा प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।समीक्षा बैठक के दौरान आईजी किरण एस ने अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और संगठित अपराध पर विशेष निगरानी रखने को कहा। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए गए।आईजी ने थानावार अपराध समीक्षा कर लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और जनसंपर्क मजबूत करने के निर्देश भी दिए। आईजी ने पुलिस कार्यशैली को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर जोर दिया, ताकि आमजन में विश्वास कायम रहे। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं और अपराधियों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई हो रही है।निरीक्षण के दौरान आईजी ने पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण, अनुशासन और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। आईजी ने पुलिसकर्मियों को निष्पक्ष और संवेदनशील व्यवहार अपनाने की सलाह दी।

महिला फरियादियों के लिए बड़ी पहल,नन्हें फरिश्ते कक्ष का आईजी ने किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव।महिलाओं और बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्राधिकारी कार्यालय में ॑नन्हें फरिश्ते कक्ष का शुभारंभ किया गया। लखनऊ परिक्षेत्र की आईजी किरण यश ने फीता काटकर कक्ष का उद्घाटन किया। यह पहल सीओ सोनम सिंह द्वारा की गई, जिसे महिला फरियादियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा माना जा रहा है।

इस कक्ष में शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं के बच्चों के लिए बैठने, खेलने और पढ़ने की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे पुलिस कार्यालय का माहौल और अधिक फ्रेंडली और सुविधाजनक हो सके। आईजी किरण यश ने कहा कि पुलिस आमजन, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

उद्घाटन के बाद उन्होंने कोतवाली सफीपुर का वार्षिक निरीक्षण किया और अभिलेखों, साफ-सफाई तथा कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान 30 चौकीदारों को टॉर्च और पानी की बोतलें वितरित की गईं। इस मौके पर एसपी जयप्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद, आईपीएस संचित शर्मा, सीओ सोनम सिंह और थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण तिवारी सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

दबंगो ने महिला के साथ की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के गांव सेवापुरवा मजरा ददलहा में सहन की जमीन पर रखी लकड़ियां फेंकने से मना करने पर एक ही परिवार के पांच लोगों ने महिला के साथ मारपीट कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी जमुना देवी पत्नी रमेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके घर के बगल स्थित उनकी स्वयं की जमीन पर लकड़ियां जमा हैं। आरोप है कि गांव के ही लल्लू, अरुण और प्रमोद पुत्रगण ओमप्रकाश आए दिन विवाद करते रहते हैं।घटना 16 फरवरी की शाम करीब तीन बजे की है। आरोप है कि उक्त लोग लकड़ियां फेंकने लगे। जब जमुना देवी ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए डंडों से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान लल्लू की मां और पत्नी (नाम अज्ञात) ने उनके बाएं हाथ की उंगली में काट लिया।शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बजट का बहाना लेकर गुटखा मसाला खाने वालों को लूट रहे हैं छोटे-बड़े सभी व्यापारी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जो बजट पेश किया गया है, उसमें गुटखा मसाला पर ज्यादा टैक्स लगाया गया है, परंतु यह है निर्णय 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। परंतु जैसे ही वित्त मंत्री द्वारा लोकसभा में बजट पेश किया गया, गुटखा निमार्ताओं से लेकर छोटे-बड़े व्यापारियों ने लूट का तांडव मचाना शुरू कर दिया।एक छोटे व्यापारी ने बताया की जो कमला पसंद पहले ?170 का मिलता था, और उसमें 39 पुड़िया होती थी। बड़े व्यापारियों द्वारा पहले उसे 190 का किया गया और फिर 210 रुपए का बेचा जाने लगा। नतीजा यह हुआ कि इसे खरीद कर लाने वाले छोटे व्यापारियों ने भी गुटखा के शौकीन लोगों की जेब पर डाका डालना शुरू कर दिया और कमला पसंद और राजश्री ?7 का बेचने लगे। इस तरह छोटे व्यापारियों को जब 170 रुपए का था तो ?5 प्रति पाउच बेचने के बाद ?25 प्रति पैकेट मिलते थे, क्योंकि पूरे पैकेट की बिक्री पर 195 बनते थे। मौजूदा समय में हालात यह है कि अब 210 का लेकर छोटे व्यापारी एक पैकेट में 65 रुपए का फायदा उठा रहे है। सवाल यह उठता है कि जब अभी बजट के नियम लागू नहीं हुए हैं, उसका टैक्स स्लैब अभिक्रियान्वीत नहीं हुआ है तो आखिर यह लूट क्यों की जा रही है। वैसे भी निमार्ता और थोक विक्रेताओं की साठ गांठ से पहले भी टैक्स की चोरी धड़ल्ले से की जा रही थी, होता यह था कि जिस गाड़ी पर गुटखा मसाला से भरे हुए बोरे लादे जाते थे, उस गाड़ी के चालक को एक बील्टी दी जाती थी जो भयंकर रूप से टेप के द्वारा चिपकाए जाती थी और ड्राइवर को यह आदेशित किया जाता था कि अगर रास्ते में कोई अधिकारी मिल जाए तो जैसे भी हो सके भले ही लेन-देन करना पड़े यह बील्टी खुलने ना पाए और होता भी यही था अगर रास्ते में कोई अधिकारी न मिला और वह पैकेट खोला न गया तो व्यापारी के पास माल आने के बाद वह बंद लिफाफा फैक्ट्री में चला जाता था और उस बिके हुए माल को नंबर दो का करार दे दिया जाता था और अगर कहीं किसी अधिकारी ने उस पैकेट को खोल डाला तो वह नंबर एक में हो जाता था। खैर यह व्यापारियों का अपना खेल है, वह जो करते हैं और करते रहेंगे। परंतु सवाल यह उठता है कि जब अभी बजट के प्रावधान लागू नहीं हुए हैं तो ग्राहकों की जेब पर इतना भयंकर डाका क्यों डाला जा रहा है, क्या जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देने का कष्ट करेंगे?

रोड पार कर रहे युवक को ट्रक ने रौंदा हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना भल्लाफार्म चौराहे पर हुई, जब व्यक्ति सड़क पार कर रहा था।मृतक की पहचान मौहरी निवासी होशराम उर्फ मुनीम के रूप में हुई है। उन्हें सड़क पार करते समय एक ट्रक ने रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।सूचना मिलने पर सोहरामऊ थाना प्रभारी अरविंद पांडे के नेतृत्व में पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोहरामऊ पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को भी अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को दिए स्वस्थ रहने के टिप्स

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बिछिया में मंगलवार को डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से पोस्टर प्रतियोगिता व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय ने बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई रखने से कई संक्रामक बीमारियों से बचा जा सकता है। हाथों की स्वच्छता को भी जरूरी बताया। इस मौके पर बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी सतीश चन्द्र पांडे भी उपस्थित रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में 32 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-सात की आशना पहले, कक्षा- आठ की अंशिका एवं कक्षा-8 की ही अनन्या तीसरे स्थान पर रहीं। मोहिनी, श्रद्धा, राखी, दिव्या एवं कनिष्का को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में कक्षा-8 की सलोनी को पहला, कक्षा-सात की वर्तिका को दूसरा और कक्षा-8 की आसनी को तीसरा पुरस्कार एवं रीतिका, वैभवी, निधि, राधिका एवं अनन्या को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी वार्डेन बीना चौहान ने किया।

इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) मनीषा शर्मा ने डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया एवं इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में भी जानकारी दी। पीएसआई इंडिया के गजेंद्र सिंह ने ॑डायरिया से डर नहीं॑ कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की। शहरी स्वास्थ्य केंद्र के फार्मासिस्ट विकास ने बच्चों को रोटावायरस वैक्सीन के बारे में बताया क इस मौके पर पीएसआई इंडिया से अशरफ हुसैन और आशा विद्यावती उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शिक्षक सायारिन रज्जाक, अनामिका त्रिपाठी, पुष्पा यादव, प्रतिभा देवी, जय चन्द्र बाला मिश्रा, उमा महरोज एवं अपर्णा शुक्ला आदि मौजूद रहीं।

प्रतियोगी परीक्षा देने गया युवक ट्रेन से नीचे गिरा हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।थाना बिहार के कस्बा भगवंतनगर मे सफाई कर्मी के इकलौते पुत्र की दिल्ली से लौटते समय ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। कस्बा भगवंतनगर के वार्ड नंबर-01 बाजपेयी खेड़ा निवासी शुभम पासी पुत्र सुरेश कुमार उम्र 22 वर्ष दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षा देने गया था। घर वापस लौटते समय आगरा के बरहन थाना क्षेत्र के बिरूनी गांव के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से शुभम गोमती एक्सप्रेस ट्रेन से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ सफर कर रहे मित्र शिवम ने तत्परता दिखाते हुए चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी आंवलखेड़ा पहुंचाया। छात्र की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही शुभम ने दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। शुभम की मौत की खबर जैसे ही उसके पैतृक निवास पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया। पिता नगर पंचायत में सफाई कर्मी है। माता संतोष कुमारी और छोटी बहन गोल्डी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की एक बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है और घर की पूरी उम्मीदें शुभम पर टिकी थीं। शुभम होनहार था और दिल्ली परीक्षा देने गया था। माँ कह रही थी हमें क्या पता था कि वह इस तरह वापस लौटेगा।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के सआदतनगर गाँव में पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार शाम दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। लाठी डंडों और धारदार हथियारों से हुए हमले में दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर छह लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले पक्ष की ओर से पूनम सिंह पत्नी कल्लू सिंह ने तहरीर देकर बताया कि 16 फरवरी की शाम करीब छह बजे उनका पुत्र ज्ञानेन्द्र सिंह खेत से घर लौट रहा था।आरोप है कि गांव के ही जगदीश पुत्र भगान, भूपति पुत्र कन्हई, उदयवीर पुत्र कन्हई, अमित पुत्र जगदीश व सेवक पुत्र भगान आदि ने पुरानी रंजिश को लेकर रास्ते में उसे घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने डंडों से मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि अमित के हाथ में कुल्हाड़ी थी जिससे उसने ज्ञानेन्द्र पर वार कर दिया। शोर सुनकर लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल ज्ञानेन्द्र मौके पर बेहोश हो गया।वहीं दूसरे पक्ष के रामसेवक पुत्र भगान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी पुत्री संगीता के साथ खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में ज्ञानेन्द्र सिंह ने उनकी पुत्री को देखकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोप है कि विरोध करने पर ज्ञानेन्द्र ने लोहे की रॉड व धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर गांव निवासी शशि पत्नी जगदीश मौके पर पहुंचीं जिन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया।एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर छह लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बफिंग मशीन की चपेट मे आकर मजदूर घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव, अचलगंज। औद्योगिक क्षेत्र बंथर में संचालित एक चमड़ा फैक्ट्री में काम करते समय मजदूर का हाथ बफिंग मशीन की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से हैलेट रेफर कर दिया गया। घायल के इलाज के लिए परिजनों ने फैक्ट्री गेट पर हंगामा काटा।सूचना पर पहुंची पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधन से व घायल के परिजनों के बीच आपसी समझौता होने की पुष्टि की है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के हिमाचल खेड़ा निवासी 42 वर्षीय श्रीकांत औद्योगिक क्षेत्र बंथर स्थित कलकत्ता लेदर फैक्ट्री में मजदूरी करता है।सोमवार देर शाम को काम करते समय उसका दाहिना हाथ चमड़ा साफ करने वाली बफिंग मशीन में चला गया। जिसमें वह बुरी तरह जख्मी हो गया। फैक्ट्री कर्मचारी उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। लेकिन परिजन वहां इलाज के लिए राजी नहीं हुए।मंगलवार सुबह फैक्ट्री गेट पर पहुंच हंगामा किया। सूचना पर पहुंचे क्राइम इंस्पेक्टर इरशाद त्यागी ने फैक्ट्री प्रबंधन तथा घायल के परिजनों से बातचीत करवाकर घायल को कानपुर के एक निजी अस्पताल ने भर्ती कराया है। एस ओ बृजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि घायल श्रीकांत के इलाज का पूरा खर्च फैक्ट्री मालिकान देने को राजी हो गए है।जिससे अब कोई विवाद नहीं है।

बाइक सवार युवक ने वृद्ध महिला को मारी टक्कर दोनो घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में मंगलवार लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर मियागंज कस्बा में सड़क पार कर रही वृद्धा बाइक के सामने अचानक आ गयी जिसमें बाइक सवार युवक व वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गयी ग्रामीणों ने दोनों को इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया है। खैरनपुर गवासा गांव निवासी ग्राम प्रधान कमलेश कुमार का 25 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार किसी कार्य से ब्लॉक जा रहा था तभी मिय्शागंज निवासिनी रामकली 60 पत्नी स्व रामबालक मियागंज में सड़क पार कर रहीं थीं अचानक बाइक सवार को आता देख वह घबराकर बाइक के सामने आ गयी टक्कर लगने के बाद बाइक सडक पर गिर गयी जिससे युवक और वृद्धा गभींर रुप से घायल हो गयी जिन्हें गभींर हालत में मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बोर्ड परीक्षा 2026 नकल विहीन सम्पन्न कराने हेतु एसडीएम ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बुधवार से माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट की प्रारम्भ होने वाली बोर्ड परीक्षा 2026 को नकल विहीन सम्पन्न कराने हेतु जोनल मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी बीघापुर रनवीर सिंह ने तहसील क्षेत्र के महात्मा गाँधी इण्टर कालेज पाटन , त्रिवेणी काशी इण्टर कालेज बिहार ,गिरजा शंकर सरला देवी इण्टर कॉलेज बिहार ,आर बी एस इण्टर कालेज बिहार ,भगवान बख्श सिंह इण्टर कालेज बाजितपुर ,त्रिलोक चन्द इण्टर कालेज कोटवर का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन किया ।विद्यालयों में लगे सी सी टी वी कैमरों, स्ट्रांग रुम अन्य व्यवस्थाओं की केन्द्र व्यवस्थापक से जानकारी ली । उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षा केंद्र पर नकल की जानकारी मिलने पर शख्त कार्यवाही की जाएगी ।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक केंद्र के सभी कक्षों का आनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी ।जिससे बोर्ड परीक्षा से सम्बन्धित सभी उच्च अधिकारी जुड़े है ।

शिक्षिका ने छात्रा के पिता पर लगाया मारपीट करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।मांखी थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परेंदा में कार्यरत सहायक शिक्षिका प्रियंका ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि इसी गांव निवासी आनंद प्रताप की बेटी कक्षा तीन का छात्रा है मंगलवार बच्ची से स्टेशनरी पेंसिल किताब लाने के लिए कहा जिस पर वह घर गयी और उसने घर में क्या बताया कि बच्ची के पिता आनंद विधालय पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षिका की तहरीर पर आनंद के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सुलह न करने पर दबंगो ने महिला को पीटा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।थाना बारा सगवर अन्तर्गत सुलह न करने पर दबंगो ने जमकर पीट दिया।पीड़िता द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना क्षेत्र के लालमन खेडा निवासिनी गुडिया पत्नी जीतू ने तहरीर देते हुए बताया कि उसके घर मे 13 फरवरी को शादी थी।शादी में खाना खाने के लिए मेरे पति जीतू पड़ोसी बिंदादीन को बुलाने जा रहे थे तभी पहले से घात लगाए नवल पुत्र छोटा एवं छोटा पुत्र सत्य नरायण पुराने विवाद को लेकर सुलह समझौता का दवाव देते हुये गन्दी 2 गालियां देने के साथ लाठी डण्डों से मारने पीटने लगे जब जीतू के भाई रीतू बचाने आया उसे भी मारा पीटा गया।थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक सरकार संबंध सुधारने पर दे सकती है जोर

बांग्लादेश में संपन्न हुए 13वें संसदीय चुनाव केवल एक राजनीतिक प्रक्रिया भर नहीं हैं, बल्कि ये दक्षिण एशिया की कूटनीतिक दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव भी हैं। चुनाव परिणामों को लेकर भले ही विभिन्न दलों और पर्यवेक्षकों के बीच मतभेद हों और उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ रहे हों, लेकिन यह निर्विवाद है कि ढाका की सत्ता में बैठने वाली नई सरकार का रुख भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 4000 किलोमीटर से अधिक लंबी साझा सीमा है, जो दोनों देशों को सुरक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक संपर्क और रणनीतिक दृष्टि से गहराई से जोड़ती है। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिरता और उसकी विदेश नीति का स्वरूप भारत के राष्ट्रीय हितों से सीधे जुड़ा हुआ है। चुनाव से पहले आवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) दोनों ने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों की बात कही थी। यह संकेत आशावादी है। यदि लोकतांत्रिक ढंग से गठित नई सरकार क्षेत्रीय सहयोग और संतुलन की नीति अपनाती है, तो हाल के वर्षों में आई कूटनीतिक दूरी कम हो सकती है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल में चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकियों तथा भारत के साथ रिश्तों में आई ठंडक ने नई दिल्ली की चिंता बढ़ाई थी। ऐसे माहौल में लोकतांत्रिक जनादेश से बनी सरकार यदि संतुलित विदेश नीति अपनाती है, तो यह दोनों देशों के लिए राहत की बात होगी। यह भी ध्यान रखना होगा कि बांग्लादेश में चीन की आर्थिक उपस्थिति लगातार बढ़ी है। बुनियादी ढांचे, बंदरगाह, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में चीन की सक्रियता ने ढाका को नए विकल्प दिए हैं। पाकिस्तान के साथ भी ऐतिहासिक और राजनीतिक समीकरण समय-समय पर चर्चा में आते रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए चुनौती यह है कि वह प्रतिस्पर्धा के बजाय विश्वास और विकास साझेदारी के माध्यम से संबंधों को मजबूत करे। भारत को बांग्लादेश के आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी परियोजनाओं और जन-जन के संपर्क को प्राथमिकता देकर रिश्तों को स्थायी आधार देना होगा। भारत की ओर से आई आधिकारिक प्रतिक्रिया परिपक्व और संतुलित रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि पहले चुनाव परिणामों का इंतजार किया जाएगा और उसके बाद जनादेश की प्रकृति को देखते हुए आगे की रणनीति तय होगी। यह बयान केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत पड़ोसी देशों में स्थिर और लोकतांत्रिक शासन को अपने हितों के अनुरूप मानता है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते केवल रणनीतिक समीकरण नहीं हैं, वे साझा इतिहास, संस्कृति और भावनात्मक जुड़ाव पर आधारित हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की भूमिका ने दोनों देशों के बीच विश्वास की मजबूत नींव रखी थी। हाल के वर्षों में व्यापार, ऊर्जा सहयोग, सीमा प्रबंधन, रेल और जलमार्ग संपर्क जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इन उपलब्धियों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव का शिकार नहीं बनने देना चाहिए। नई लोकतांत्रिक सरकार के सामने चुनौती होगी कि वह घरेलू राजनीतिक स्थिरता कायम रखते हुए संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति अपनाए। भारत को भी चाहिए कि वह बड़े भाई की छवि से आगे बढ़कर समानता और सम्मान के आधार पर संबंधों को विकसित करे। लोकतंत्र की मजबूती और पड़ोसी सहयोग ही क्षेत्र को स्थिर और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकते हैं।

विश्व रेडियो दिवस

बाल मुकुन्द ओझा

मन की बात ने बढ़ाया रेडियो का मान-सम्मान

विश्व रेडियो दिवस प्रतिवर्ष 13 फरवरी को मनाया जाता है। कोई माने या न माने, मगर यह बिलकुल सच है कि भारत में अपनी पहचान खोते जा रहे रेडियो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम ने पुनर्जीवित कर नया जीवनदान दिया है। मोदी के लोकप्रिय शो 'मन की बात' ने रेडियो की लोकप्रियता बढ़ा दी है। एक वक्त था जब रेडियो पर यह आकाशवाणी है, ये शब्द सुनते ही बच्चे से बुजुर्ग तक रेडियो को घेर कर खड़े हो जाते थे। यह हर कोई जानता है कि रेडियो जनसंचार का एक सशक्त माध्यम है, जिसके जरिए लाखों-करोड़ों लोगों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। भारत में अपनी पहचान खोते जा रहे रेडियो को अपने नवाचार कार्यक्रम के माध्यम से नयी पहचान और जीवनदान देने का श्रेय निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाता है।

आठवें दशक तक या यूं कहें कि दूरदर्शन के आगमन तक रेडियो ही शिक्षा, संचार और मनोरंजन के क्षेत्र की सिरमौर था। उस दौरान घर-घर में ही नहीं अपितु हर हाथ में रेडियो था और लोग इससे चिपके रहते थे। हर प्रकार की सूचना का संवाहक था रेडियो। 1980 के बाद संचार के आधुनिक साधनों के प्रादुर्भाव के साथ रेडियो का प्रभाव घटता गया। लोगों ने रेडियो के स्थान पर टीवी को अपनाना शुरू कर दिया। इसी बीच 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 'मन की बात' नामक एक क्रान्तिकारी कार्यक्रम शुरू हुआ। इसी नवाचार के साथ रेडियो का एक तरह से पुनर्जन्म हुआ। दूरदर्शन के प्रादुर्भाव से पूर्व यानि अस्सी के दशक तक रेडियो पर सुनाई देने वाली यह आवाज संचार के आधुनिक साधनों के बीच गायब सी हो गई थी। पहले भारतीय

प्रसारण सेवा, फिर आल इंडिया रेडियो और इसके बाद आकाशवाणी के रूप में रेडियो अस्तित्व में रहा। दूरदर्शन के बढ़ते प्रभाव ने इसकी उपयोगिता पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया, रही सही कसर निजी चैनलों और मोबाइल ने पूरी कर दी। मगर हाल के वर्षों में जहां लोगों में रेडियो की चाह बढ़ी है, वहीं इसकी बिक्री भी तेज हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम ने रेडियो की लोकप्रियता बढ़ा दी है। कह सकते हैं कि इसे नया जीवन मिला है। यह सच है कि रेडियो की साख कमजोर हुई है, मगर आज भी यह अब भी देश में सबसे ज्यादा एरिया कवर करता है। ऑल इंडिया रेडियो की पहुंच देश की 99.20 प्रतिशत आबादी तक है। देश के 92.6 प्रतिशत भूभाग को यह कवर करता है। ऑल इंडिया रेडियो भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन संचालित सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है। इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा रखा गया था। देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में सन 1927 में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ।

1957 में इसका नाम बदल कर आकाशवाणी रखा गया। सरकारी प्रसारण संस्थाओं को स्वायत्तता देने के इरादे से 23 नवंबर 1997 को प्रसार भारती का गठन किया गया, जो देश की एक सार्वजनिक प्रसारण संस्था है और इसमें मुख्य रूप से दूरदर्शन और आकाशवाणी को शामिल किया गया है। आकाशवाणी या रेडियो को हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेय दिया जा सकता है। आजादी से पूर्व आकाशवाणी अनेकता में एकता का सशक्त माध्यम थी। एक-दूसरे के पास इसी माध्यम से सारी जानकारी पहुंचती थी। आजादी के बाद प्रगति और विकास का एक मात्र सजीव माध्यम बना आकाशवाणी। बड़े-बड़े नेता और महत्वपूर्ण व्यक्ति अपनी बात आकाशवाणी के माध्यम से देशवासियों के समक्ष रखते थे। प्रसारण का एक मात्र साधन होने से देश में इसकी महत्ता और स्वीकार्यता थी। मगर धीरे-धीरे निजी क्षेत्र में प्रसारण माध्यम शुरू हुए।

विवाद की जड़ बनी अप्रकाशित आत्मकथा

मुद्दा

महेन्द्र तिवारी

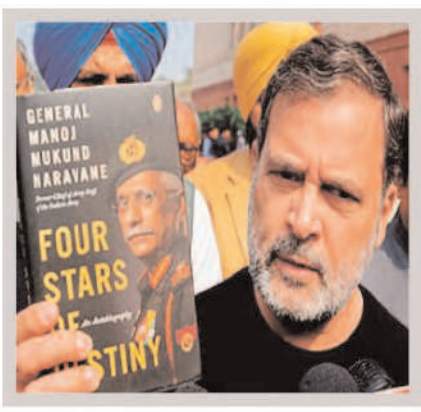

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा की पीडीएफ कॉपी के सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रसार को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। यह मामला किसी अपराध या घोटाले से जुड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मकथा से संबंधित है, जो अभी प्रकाशित भी नहीं हुई और व्यापक रूप से पढ़ी जा रही है। प्रश्न यह नहीं रह गया कि पुस्तक लीक कैसे हुई, बल्कि यह बन गया कि वह अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी। जांच और प्रतिबंध के रास्ते ने न केवल लेखक और प्रकाशक को असमंजस में डाला है, बल्कि पाठकों को भी अधूरी और असंतुलित जानकारी के भरोसे छोड़ दिया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी की पीडीएफ कॉपी के सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रसार को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। यह मामला किसी अपराध या घोटाले से जुड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मकथा से संबंधित है, जो अभी औपचारिक रूप से प्रकाशित भी नहीं हुई और फिर भी व्यापक रूप से पढ़ी जा रही है। पूर्व थलसेना प्रमुख नरवणे द्वारा लिखी गई इस पुस्तक की डिजिटल प्रति अचानक विभिन्न संदेश माध्यमों और सामाजिक मंचों पर फैल गई। देखते ही देखते यह रचना केवल सैन्य इतिहास की किताब न रहकर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गई।

प्रश्न यह नहीं रह गया कि पुस्तक लीक कैसे हुई, बल्कि यह बन गया कि वह अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी। यह आत्मकथा चार दशकों से अधिक लंबे सैन्य जीवन का विवरण देती है। एक युवा अधिकारी के रूप में सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनाती से लेकर देश की थलसेना के सर्वोच्च पद तक की यात्रा इसमें दर्ज है। इसमें पूर्वी सीमा पर हुए टकराव, पश्चिमी मोर्चे पर तनाव, पड़ोसी देशों के साथ संघर्षविराम और एक भीषण वैश्विक महामारी के दौरान सेना की भूमिका जैसे प्रसंग शामिल हैं। ऐसे समय में जब देश का सैन्य इतिहास अक्सर आधिकारिक वक्तव्यों और संक्षिप्त प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित रह जाता है, यह पुस्तक घटनाओं के भीतर झांकने का अवसर देती है। शायद यही कारण है कि इसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। प्रकाशन की प्रक्रिया सामान्य नहीं रही। पुस्तक के प्रकाशन की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, अग्रिम आदेश भी लिए गए, परंतु अचानक सब कुछ रोक दिया गया। पाठकों को धन वापस कर दिया गया और कहा गया कि आवश्यक स्वीकृतियां लंबित हैं। पूर्व सैन्य अधिकारियों द्वारा लिखी जाने वाली स्मृतियों के लिए रक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है, यह कोई नई बात नहीं है। परंतु जब सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों से यह सामने आया कि उसी अवधि में दर्जनों अन्य पुस्तकों को अनुमति मिल चुकी है और केवल यही एक रचना अटकी हुई है, तो संदेह स्वाभाविक हो जाता है। लेखक स्वयं कई अवसरों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्होंने अपना कार्य पूरा कर दिया था और उसे प्रकाशक को सौंप दिया था।

अनुमति प्राप्त करना उनका दायित्व नहीं था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पुस्तक की सामग्री उनकी अपनी लिखी हुई है और उसमें किसी प्रकार की असत्य जानकारी नहीं है। यही नहीं, पुस्तक के मसौदे को पहले ही कई वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों ने पढ़ा था और उसकी सराहना भी की थी। इन प्रतिक्रियाओं से यह संकेत मिलता है कि सामग्री न तो मनगढ़ंत है और न ही हल्की। इसके बावजूद पुस्तक पर चुप्पी बनी रही। इस बीच कुछ समाचार माध्यमों ने इसके अंशों के आधार पर लेख प्रकाशित किए। उन लेखों में सीमा पर हुए संकटों के दौरान लिए गए राजनीतिक और सैन्य निर्णयों का उल्लेख था। संसद में जब इन संदर्भों का उपयोग करने की कोशिश की गई तो भारी हंगामा हुआ और चर्चा रोक दी गई। इसके तुरंत बाद वही डिजिटल प्रति, जिसे अब तक केवल सीमित लोगों ने देखा था, व्यापक रूप से फैलने लगी। यह एक अजीब स्थिति थी, जिसमें एक पुस्तक आधिकारिक

रूप से अस्तित्वहीन मानी जा रही थी, परंतु वास्तविकता में हजारों पाठकों तक पहुंच चुकी थी। अब जांच का केंद्र यह है कि इस अनधिकृत प्रसार के लिए कौन जिम्मेदार है। कानून की दृष्टि से यह कॉपीराइट का उल्लंघन हो सकता है, क्योंकि अप्रकाशित सामग्री को बिना अनुमति साझा किया गया। यदि यह माना जाए कि पुस्तक में संवेदनशील सैन्य जानकारियां हैं, तो उस पर गोपनीयता से जुड़े कानून भी लागू हो सकते हैं। यहां एक गहरा प्रश्न छिपा है। क्या जांच का उद्देश्य वास्तव में कानून का पालन कराना है या फिर उन तथ्यों को नियंत्रित करना है जो असुविधाजनक साबित हो सकते हैं। इस आत्मकथा में जिन घटनाओं का उल्लेख है, वे हाल के वर्षों की सबसे संवेदनशील राष्ट्रीय घटनाओं में से हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में हुई झड़पों में देश ने अपने जवान खोए, परंतु उन घटनाओं के बारे में आधिकारिक विवरण सीमित रहा। सरकार की ओर से एक विशेष प्रकार का आख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें दृढ़ता और सफलता पर जोर था।

यदि किसी पूर्व थलसेना प्रमुख की पुस्तक उस आख्यान से अलग तस्वीर पेश करती है, तो स्वाभाविक है कि वह राजनीतिक रूप से असहज कर सकती है। क्या असहजता ही किसी रचना को रोकने का पर्याप्त कारण हो सकती है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ केवल सामान्य नागरिकों तक सीमित नहीं है। जिन लोगों ने राज्य की सर्वोच्च जिम्मेदारियां निभाई हैं, उनका अनुभव और दृष्टिकोण भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा होना चाहिए। निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा एक गंभीर विषय है और किसी भी प्रकार की जानकारी का प्रकाशन सावधानी से होना चाहिए, परंतु सुरक्षा और सेंसरशिप के बीच की रेखा बहुत महीन होती है।

जब सुरक्षा के नाम पर हर असुविधाजनक प्रश्न को दबाया जाने लगे, तब वह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बन जाती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस मामले में न तो लेखक ने अपनी बात से पीछे हटने का प्रयास किया और न ही प्रकाशक ने यह कहा कि सामग्री गलत है। इसका अर्थ यह हुआ कि समस्या सामग्री में नहीं, बल्कि उसके सार्वजनिक होने में है। यही विरोधाभास इस पूरे विवाद को और गहरा बनाता है। डिजिटल युग में किसी रचना को पूरी तरह रोक पाना लगभग असंभव है। इस घटना ने यह भी दिखा दिया कि प्रतिबंध और देरी कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। जिस पुस्तक को कुछ कार्यालयी फाइलों में दबाकर रखा गया था, वह अब कहीं अधिक लोगों तक पहुंच चुकी है, वह भी बिना किसी आधिकारिक संदर्भ और विमर्श के। इससे गलत व्याख्याओं और अफवाहों की संभावना भी बढ़ जाती है। बेहतर यह होता कि पुस्तक को आवश्यक संपादन और स्पष्ट चेतावनियों के साथ प्रकाशित होने दिया जाता, ताकि पाठक उसे पूरे संदर्भ में समझ सकें। जांच और प्रतिबंध के रास्ते ने न केवल लेखक और प्रकाशक को असमंजस में डाला है, बल्कि पाठकों को भी अधूरी और असंतुलित जानकारी के भरोसे छोड़ दिया है।

यह प्रकरण केवल एक आत्मकथा का नहीं है। यह उस बड़े संघर्ष का प्रतीक है, जिसमें राज्य की शक्ति और नागरिक समाज की जिज्ञासा आमने-सामने खड़ी होती हैं। इतिहास बताता है कि सत्य को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। वह कभी दस्तावेज के रूप में, कभी स्मृति के रूप में और कभी डिजिटल प्रति के रूप में सामने आ ही जाता है। प्रश्न केवल यह है कि क्या हम उसे खुली बहस और परिपक्व संवाद के साथ स्वीकार करेंगे या डर और नियंत्रण के माध्यम से उसे और रहस्यमय बना देंगे। जनरल नरवणे की आत्मकथा आज भले ही औपचारिक रूप से प्रकाशित न हो, परंतु उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि कहानियां केवल अनुमति से नहीं, आवश्यकता से जीवित रहती हैं।

सत्य परमात्मा है, सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है

संकलित

दर्शन

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं।' राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, 'आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?

दुख से मुक्ति ही है असली जीत?

संकलित

प्रेरणा

हमारे जीवन में बहुत अव्यवस्था है। उसे ठीक किए बिना ध्यान का कुछ भी अर्थ नहीं। यदि आप यह सोचकर ध्यान में बैठ जाएं कि इससे व्यवस्था आ जाएगी, तो ऐसा नहीं हो सकता। पहले अपने दैनिक जीवन में सुव्यवस्था स्थापित करें, तब ध्यान की गहराइयों में उतरने का लाभ होगा। सब युद्ध की तैयारियों में लगे हुए हैं। इन तैयारियों से विश्व में कहीं-न-कहीं, किसी-न-किसी प्रकार का विस्फोट अवश्य होगा। हम एक-दूसरे के साथ शांतिपूर्वक कभी भी नहीं रह पाए हैं। शांति के बारे में हम बातें खूब करते हैं। सारे धर्मों ने शांति का ही संदेश दिया है, लेकिन इस धरती पर शांति कभी भी संभव नहीं हो पाई है। यह धरती, जिस पर हम सब रहते हैं, किसी एक देश की नहीं है। यह हम सबकी और हमारी धरती है। इस नफरत का संभवतः एक प्रमुख कारण यह है कि हमारे हृदय हिंसा से भरे हैं। हम कभी भी शत्रुता के भाव से, प्रतिशोध के भाव से मुक्त नहीं रहे। कभी भी अपने भय, दुख, घावों और प्रतिदिन के जीवन की पीड़ा से मुक्त नहीं हो पाए। हमें कभी शांति नहीं मिली। हम हमेशा परेशानियों में घिरे रहते हैं। यह सब हमारे जीवन का हिस्सा हैं। हमारे प्रतिदिन के दुखभोग का हिस्सा है। इस प्रेम विरहित दुखभोग से मुक्ति पाने के लिए मनुष्य ने कई रास्ते आजमाए हैं। उसने इसका दमन करके देख लिया। किसी श्रेष्ठतर तत्व से अपना तादात्म्य करके देख लिया। किसी आदर्श के लिए, किसी विश्वास के लिए, किसी आस्था के लिए अपने आपको समर्पित कर के देख लिया। फिर भी यह दुख कभी समाप्त नहीं होता। हम इसके अभ्यस्त हो चुके हैं।

स्क्रीन से रखो उतनी ही करीबी जितनी हो बहुत जरूरी

डिजिटल डिटाक्स अपनाएँ यानि स्क्रीन से थोड़े समय की नियमित दूरी बनाएं

लेखक -- मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

देश और दुनिया में बढ़ती तकनीक ने जहाँ एक ओर हमें सशक्त बनाने का काम किया है वहीं अब एक ऐसा भी वक्त आ गया है कि डिजिटल उपकरणों (स्क्रीन) ने तो हमें पूरी तरह से अपने वश में ही कर लिया है। सुबह आँख खुलने के साथ ही हम सबसे पहले अपना मोबाइल तलाशते हैं। नाश्ता करते-करते टीवी की स्क्रीन पर निगाह रखते हैं। काम पर पहुंचकर कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट के साथ ही स्मार्टफोन की स्क्रीन पर भी निगाह होती है। यदि गंभीरता से विचार करें तो यह जरूर एहसास होगा कि इस पूरे दौरान बहुत सा ऐसा वक्त था जब स्क्रीन पर बने रहना कोई बहुत जरूरी नहीं था। डिजिटल उपकरणों खासकर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लगातार बने रहने की यही गुलामी विभिन्न शारीरिक समस्याओं को जन्म दे रही है, इसलिए आज की जरूरत यही है कि स्क्रीन के करीब उतनी ही देर रहा जाए, जितनी देर रहना बहुत जरूरी हो। इंसान, इंसानियत, प्रकृति, भावुकता एवं सदव्यवहार आज के नितांत आवश्यक बिंदु हैं, जो हमारी जिन्दगी को ज्यादा खुशगवार व स्वस्थ बना सकते हैं और इसके लिए आवश्यक है कि स्क्रीन से थोड़े समय की नियमित दूरी।

यदि आप भी नींद न आने की समस्या से जूझ रहे हैं, ध्यान को केन्द्रित करने में दिक्कत आ रही है, शारीरिक रूप से असहज महसूस कर रहे हैं, समय का प्रबन्धन से ठीक से नहीं कर पा रहे हैं, सामाजिक रूप से अपने को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं तो आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। आज के दौर में कहा जाए तो आपको डिजिटल डिटाक्स (ऊॅइंह्ल ऊीइङ्ग७) अपनाने की जरूरत है यानि नियमित रूप से एक तय समय के लिए डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से जानबूझकर दूरी बनाने की सख्त जरूरत है। इसका कदापि यह मतलब नहीं है कि तकनीकी निर्भरता से दूर हो जाना बल्कि अनावश्यक स्क्रीन पर आँख गड़ाने से बचना है। अपनी दिनचर्या कुछ इस तरह से तय करने की जरूरत है कि हर रोज कम से कम एक घंटे का समय ऐसा जरूर हो जब हम अपने को मोबाइल, लैपटॉप और टीवी से पूरी तरह दूरी बनाकर रखें। उस कीमती समय में प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिता सकते हैं, व्यायाम, ध्यान, प्राणायाम या अपनी खास रुचि का कुछ काम कर सकते हैं। समाचार पत्र, पुस्तक आदि पढ़ने की आदत विकसित कर सकते हैं। इससे जहाँ मानसिक तनाव में कमी आएगी वहीं अच्छी नींद भी आएगी। सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आने के साथ ही मानसिक एकाग्रता भी बढ़ेगी। मोबाइल पर आने वाले गैर जरूरी नोटिफिकेशन को साइलेंट रखना भी बेहतर हो सकता है। इसकी शुरूआत धीरे-धीरे की जा सकती है और एक घंटे की समय सीमा को अपनी सुविधा के अनुसार धीरे-धीरे बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही एक तरीका यह भी अपनाया जा सकता है कि अपने वरिष्ठों और सहयोगियों को बातचीत के दौरान यह अवगत करा सकते हैं कि कार्यालय अवधि के बाद प्रतिदिन एक निर्धारित अवधि के दौरान मोबाइल या अन्य डिजिटल उपकरणों से दूर रहने के कारण ई मेल आदि का जवाब मिलने में विलम्ब हो सकता है। इसके लिए अपने साथियों को भी प्रेरित करें कि वह भी प्रतिदिन कुछ वक्त डिजिटल उपकरणों से दूर रहकर अपनों के साथ समय व्यतीत करें या कुछ खास रूचि के कामों में अपने को व्यस्त रखें। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही जीवन शैली को संतुलित करने का भी एक एक सशक्त माध्यम बन सकता है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि भोजन करते वक्त तो कम से कम स्मार्टफोन या टीवी को पूरी तरह बंद रखें और परिवार से बात करें। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत बनते हैं और आपसी समझ बढ़ती है। इसके अलावा कोशिश करें कि घर का एक ऐसा कोना जरूर हो जो कि स्क्रीन फ्री जोन के रूप में हो, यह आपका बेडरूम या डाइनिंग एरिया भी हो सकता है। इसके अलावा स्मार्टफोन और लैपटॉप पर काम करते वक्त शरीर की सही मुद्रा का होना भी जरूरी है। स्क्रीन हमेशा आँखों के स्तर पर होनी चाहिए।

आज छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में भी स्मार्टफोन आसानी से देखा जा सकता है। इससे उनमें शुरू से यह आदत बनती जा रही है कि मोबाइल की स्क्रीन पर कार्टून देखते हुए ही खाना खाएंगे। एक वक्त था जब मां या परिवार के बड़े-बुजुर्ग बच्चों को लोरी या कोई प्रेरणादायक कहानी सुनाते हुए खाना खिलाते थे, जिससे बच्चे का एक जुड़ाव परिवार से बनता था और उसमें उत्सुकता भी रहती थी कि फिर क्या हुआ उससे उनकी तर्क शक्ति भी बढ़ती थी। आज के समय में संयुक्त परिवार का दायरा सीमित होने के साथ ही कामकाजी माता-पिता भी बच्चों को पर्याप्त समय चाहकर भी नहीं दे पाते। ऐसे में जरूरत है कि सोशल मीडिया या टीवी सीरियल से कुछ वक्त बचाकर बच्चे को जरूर दें, कुछ उनकी सुनें और कुछ अपनी कहें। किशोर वर्ग भी मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट पर पढ़ाई के साथ घंटों सोशल मीडिया पर समय व्यतीत कर रहा है, जिससे आँखों को नुकसान पहुँचने के साथ ही वह अपने को घर-परिवार से भी पूरी तरह से नहीं जोड़ पा रहा है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

X ट्रेंड f

जयंती पर नमन

स्वराज, स्वदेशी व स्वावलंबन के प्रणेता महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की और सामाजिक कुरीतियों के त्याग व स्त्री शिक्षा के लिए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' से वैदिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया। स्वामी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

वन भूमि पर अतिक्रमण

जो लोग पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा हमें सौंपे गए संकट की भयावहता से अनभिज्ञ हैं, उनके लिए स्थिति को स्पष्ट करना आवश्यक है। 2,676 वर्ग किलोमीटर वन भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है! इसे ठीक करने के लिए भाजपा काम कर रही है!

-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एक हाट में दो दुकान

बात ये नहीं है कि बवाल हुआ, बात ये है कि किसने होने दिया, कहीं ये मामला 'एक म्यान में दो तलवार' या 'एक हाट में दो दुकान' के झगड़े वाला तो नहीं है? अपने गृह-नगर में ही अपना विरोध देखकर उनको भी दुख हुआ, जो दूसरों के दुख दूर करने की बात करते हैं।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

बजट निराशाजनक

राजस्थान विस में पेश किया गया बजट न सिर्फ निराशाजनक है, बल्कि प्रदेश की जनता में भविष्य को लेकर चिंताएं पैदा करने वाला है। बजट में कोई घोषणा ऐसी नहीं है जिसे व्यापक जनहित में कहा जा सके।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

संक्षेप

खुदागंज के आंगनवाड़ी खाद्यान्न वितरण में अनियमितता

5 माह से नियम दरकिनार, ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

खुदागंज , विकासखंड के सिमौरा गांव में आंगनवाड़ी केंद्रों के खाद्यान्न वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले पांच माह से नियमों को दरकिनार कर खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था बदली गई है, जिससे बड़े घोटाले की आशंका है। पहले ग्राम पंचायत सिमौरा में आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए खाद्यान्न उठाने का काम राधा रानी स्वयं सहायता समूह द्वारा नियमानुसार किया जाता था। समूह गोदाम से खाद्यान्न उठाकर आंगनवाड़ी सहायिकाओं को विधिवत सौंपता था। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि अक्टूबर 2025 से फरवरी 2026 तक बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), विकास खंड कटरा ने बिना किसी लिखित आदेश के इस व्यवस्था को एकतरफा बदल दिया। समूह को हटाकर सीधे आंगनवाड़ी सहायिकाओं को खाद्यान्न उठाने की अनुमति दे दी गई। ग्रामीणों ने इस निर्णय को नियमविरुद्ध, अपारदर्शी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की अनदेखी बताया है। इसके अतिरिक्त, सिमौरा ग्राम पंचायत में आंगनवाड़ी केंद्र होने के बावजूद खाद्यान्न वितरण ग्राम पंचायत जिगनियां के मजरा सिमौरी में किया गया, जिसे संबंधित सहायिका का निवास स्थान बताया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस बदलाव से वास्तविक लाभार्थियों को उनके हक से वंचित किया गया और वितरण प्रक्रिया संदिग्ध हो गई। शिकायत के अनुसार, ग्राम पंचायत के लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थी परिवार सितंबर 2025 से राजस्थान में ईंट भट्ठों पर काम करने के लिए पलायन कर चुके हैं इसके बावजूद, रिकॉर्ड में शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण दर्शाया गया है। ग्रामीणों ने इसे फर्जीवाड़ा बताते हुए आरोप लगाया है कि कागजों में पूर्ण वितरण दिखाकर खाद्यान्न का बंदरबांट किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सीडीपीओ प्रभारी हेमेंद्र पाल सिंह ने बताया कि उन्हें इस संबंध में सूचना मिली है और जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

आशा कार्यकताओं का धरना जारी

भुगतान न मिलने से नाराज, फाइलेरिया अभियान के बीच प्रदर्शन

शाहजहांपुर , सिधौली में आशा कार्यकताओं का धरना मंगलवार को आठवें दिन भी जारी रहा। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के बीच यह प्रदर्शन अपूर्ण भुगतान को लेकर किया जा रहा है। कार्यकताओं का आरोप है कि उनके खातों में विभिन्न मदों, जैसे कोविड, फाइलेरिया, पल्स पोलियो और टीबी अभियान का पूरा भुगतान अब तक नहीं पहुंचा है। कुछ कार्यकताओं को अधिक तो कुछ को कम धनराशि मिली है। आशा कार्यकताओं ने स्पष्ट किया है कि जब तक उन्हें समस्त बकाया राशि नहीं मिल जाती, उनका धरना जारी रहेगा।

शिक्षक समस्याओ को लेकर महासंघ बीएसए कार्यालय पर करेगा धरना-प्रदर्शन

19 फरवरी को लंबित शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में होगा धरना-प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

बहराइचः राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, बहराइच के द्वारा ज्वलंत शिक्षक समस्याओं के निस्तारण के लिए पूर्व में दर्जनों बार पत्र व वार्ता के क्रम के बाद भी निराकरण न होने के कारण और जनपद स्तर पर व्याप्त रोष एवं शिक्षकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए महासंघ द्वारा 19 फरवरी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बहराइच कार्यालय पर करेगा धरना प्रदर्शन। बताते चले पूर्व निर्धारित तिथि में बोर्ड परीक्षा/अधिकांश शिक्षकों के गतिमान प्रशिक्षण कों देखते हुए 19 फरवरी को निर्धारित किया गया है। जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र ने बताया है कि, शिक्षकों के चयन वेतनमान का ऑनलाइन आदेश जारी होने के बाद भी अब तक हस्ताक्षरित आदेश कॉपी नहीं उपलब्ध करवाई गई जिससे 2 महीने होने वाले है अब तक चयन वेतनमान का लाभ वेतन में जुड़कर नहीं मिला है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को प्रधानाध्यापक पद का वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है, बाल्य देखभाल अवकाश एक बार में 30 दिन का स्वीकृत नहीं किया जा रहा है, विकास खंड पयागपुर में एफएलएन प्रशिक्षण के दौरान मात्र कुछ ही मिनट की देरी के लिए लगभग 65 शिक्षक / शिक्षिकाओं की अस्थाई रूप से वार्षिक वेतन वृद्धि बाधित करने, शिक्षक- शिक्षिकाओं के एक-दो दिन का अवरुद्ध वेतन सामूहिक रूप से बहाल करने, निरीक्षण के समय शिक्षक /शिक्षिकाओं के किसी कारण वश उपस्थित न होने पर यदि उनका आकस्मिक अवकाश शेष है तो उनके आकस्मिक अवकाश से उक्त दिवस का अवकाश घटाते हुए वेतन की कटौती न करने, पात्र शिक्षक / शिक्षिकाओ कों दिव्यांग भत्ते का नियमानुसार भुगतान पूर्व में अंतर्जनपदीय स्थानांतरण प्राप्त कर चुके सभी अध्यापकों की ऑफलाइन सेवा पुस्तिका उनके कार्यरत जनपद स्थानांतरित करने, ऑफलाइन निरीक्षण पर रोक, निरीक्षण के दौरान शिक्षकों का पक्ष जाने बिना कोई भी विभागीय कार्यवाही न करने सहित अन्य मांगों के सम्बन्ध ने दिनांक 19 फरवरी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय बहराइच पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, बहराइच के जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र के नेतृत्व में जनपद के सभी शिक्षक/शिक्षिकाएं धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। जिलाध्यक्ष श्री मिश्र ने कहा है कि यदि समय रहते सभी शिक्षक समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा कि, चयन वेतनमान सहित अन्य सभी मुद्दों पर शिक्षकों का उत्पीड़न हो रहा है। जल्द ही मांगों पर निर्णय नहीं हुआ तो संगठन पूरी ताकत के साथ आंदोलन करेगा।

गांव-गांव पहुंच रही आयुर्वेदिक सेवाएं

आयुष आपके द्वार के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर आयुष आपके द्वार अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसेंडी, विकासखंड कैसरगंज, जनपद बहराइच स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सोमवार को निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन डॉ. राजेश कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कुंडासर द्वारा किया गया। कार्यक्रम डॉ. सरोज शंकर राम, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बहराइच के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. विवेक रंजन (चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडासर), रूबी वर्मा (सीएचओ), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा संगिनी एवं एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। संगोष्ठी के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व पर जानकारी देते हुए बताया कि नियमित साफ-सफाई और संतुलित आहार अपनाकर कई बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने आयुर्वेदिक जीवनशैली को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर भी जोर दिया।

ग्रामीणों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव-गांव स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचने से लोगों को काफी लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग।

भू-माफिया ने सरकारी भूमि खेत में मिलाई

कैसरगंज में चकमार्ग पर अवैध कब्जा, ग्रामीण परेशान

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील कैसरगंज के परगना हिसामपुर स्थित ग्राम कड़सर बिटोरा में चकमार्ग की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है, क्योंकि इससे उनके आवागमन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी कैसरगंज को प्रार्थना पत्र देकर अवैध कब्जा हटवाने और चकमार्ग की पैमाइश कराकर उसे अलग करने की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि भू-माफिया ने सरकारी भूमि को अपने खेतों में मिला लिया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, गाटा संख्या 115 (0.0850 हे.), 117 (0.0160 हे.) और 214 (0.1210 हे.) चकमार्ग के रूप में नक्शे में सुरक्षित दर्ज हैं। आरोप है कि गांव के कुछ व्यक्तियों ने इन चकमार्गों की लगभग 3 बीघा सरकारी भूमि पर जबरन कब्जा कर उसे अपने खेतों में मिला लिया है। इस अवैध कब्जे के कारण चकमार्ग का अस्तित्व समाप्त हो गया है, जिससे ग्रामीणों को अपने खेतों तक आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि जब मनरेगा योजना के तहत सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया गया, तो संबंधित व्यक्तियों ने उसे रुकवा दिया और विवाद उत्पन्न किया। इससे विकास कार्य बाधित हुआ और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में, एसडीएम कैसरगंज अखिलेश सिंह ने बताया कि उन्हें प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने अतिक्रमण खाली कराने के लिए संबंधित विभाग, बीडीओ और पुलिस विभाग को पत्र भेजने की बात कही है। प्रार्थी ने प्रशासन से जनहित और शासकीय हित को ध्यान में रखते हुए चकमार्ग की पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है, ताकि सड़क निर्माण का कार्य पुनः शुरू हो सके और ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। प्रशासन की ओर से इस मामले में आगे की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

समाज को नई दिशा प्रदान करता है शिक्षक-: सांसद

प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों ने किया प्रतिभाग

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। विकास क्षेत्र रिसिया अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम पंचायत प्रधानों की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन ब्लाक संसाधन केंद्र रिसिया के परिसर में किया गया।खंड शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र जैन के निर्देशन में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सांसद आनंद कुमार गौड़ तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुंवर करनवीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी रणविजय सिंह तथा रिसिया ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय जायसवाल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान परिषदीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, लघु नाटिका एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र जैन ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी जन मानस तक पहुंचाना तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय द्वारा उनकी प्रभावशालीता सुनिश्चित करना है।मंच संचालन बीरेंद्र पाल सिंह व सुनील कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि शिक्षक मात्र वेतनभोगी नहीं बल्कि समाज का मार्गदर्शक होता है,वह न केवल बच्चों बल्कि संपूर्ण समाज को नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें निखारना शिक्षकों का नैतिक दायित्व है।हम अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करके अपना समाजिक दायित्व भी निभा सकते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुंवर करनवीर सिंह ने कहा कि शिक्षा वह प्रकाश पुंज है जिसके प्रज्वलित होते ही जीवन के समस्त विकार मिट जाते हैं। विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं सुलभ कर दी गई हैं ऐसे में शिक्षकों का नैतिक दायित्व बनता है कि बच्चों को अपेक्षित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनके चतुर्दिक विकास में सहायक बने। रिसिया ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संजय जायसवाल ने इस तरह की कार्यशालाओं को शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद और समन्वय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। इस दौरान प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ तथा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी सईद अंसारी, बीरेंद्र पाल सिंह, संजय सिंह,रामूलाल, ब्लाक अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ धर्मेंद्र सिंह, मंत्री रविकांत ओझा,शिक्षामित्र संघ ब्लाक अध्यक्ष अमरीक सिंह, राघवेंद्र सिंह एआरपी श्रीश श्रीवास्तव, संदीप कुशवाहा एवं जयप्रकाश सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक एवं ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

पिकअप ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल

जलालाबाद में महाराणा प्रताप चौक के पास हादसा, जिला अस्पताल रेफर

अमन लेखनी समाचार

जलालाबाद , जलालाबाद क्षेत्र में महाराणा प्रताप चौक के पास बालाजी मंदिर के निकट एक पिकअप वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, जलालाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गुरगांव निवासी जुगनू पुत्र कवितान अपने गांव से सवारियां लेकर ई-रिक्शा पर जलालाबाद आ रहे थे। महाराणा प्रताप चौक पर सवारियां उतारने के बाद वह जलालाबाद की ओर जा रहे थे, तभी बालाजी धाम के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनके ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई-रिक्शा पलट गया और चालक जुगनू गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल जुगनू को दूसरे ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने पिकअप वाहन को रोक लिया और उसे प्रशांत एजेंसी पर खड़ा कर दिया। हालांकि, टक्कर मारने के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। यह घटना लगभग दोपहर 3:30 बजे की बताई जा रही है

गांव-गांव पहुंच रही आयुर्वेदिक सेवाएं

आयुष आपके द्वार के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर आयुष आपके द्वार अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसेंडी, विकासखंड कैसरगंज, जनपद बहराइच स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सोमवार को निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन डॉ. राजेश कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कुंडासर द्वारा किया गया। कार्यक्रम डॉ. सरोज शंकर राम, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बहराइच के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. विवेक रंजन (चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडासर), रूबी वर्मा (सीएचओ), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा संगिनी एवं एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। संगोष्ठी के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व पर जानकारी देते हुए बताया कि नियमित साफ-सफाई और संतुलित आहार अपनाकर कई बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने आयुर्वेदिक जीवनशैली को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर भी जोर दिया। ग्रामीणों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव-गांव स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचने से लोगों को काफी लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग।

सड़क से निकली 10 फीट ऊंची पानी की धार

सीवर लाइन का पाइप फटने की आशंका, आए दिन लीक हो रहे पाइप

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर में सोमवार शाम चौक कोतवाली क्षेत्र के चौक इलाके में सड़क से अचानक पानी की तेज धार निकलने लगी। यह धार करीब 10 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि यह घटना सीवर लाइन फटने के कारण हुई है। पानी का दबाव इतना अधिक था कि धार निकलते ही तेज आवाज हुई। इस घटना का एक पांच सेकंड का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पानी की बौछार को इतनी ऊंचाई तक जाते हुए देखा जा सकता है। जल निगम के अधिशासी अभियंता (एठ) ने इस घटना की जानकारी न होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि ऐसा तब होता है जब पानी अत्यधिक दबाव के साथ आता है और पाइप फट जाता है। उन्होंने मामले की जांच कराने की बात कही है। दरअसल, शहर में सड़कों के निर्माण के बाद सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था। कार्य पूरा होने के बाद खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी कराई गई, लेकिन इसके बावजूद लगातार सड़कों पर गड्ढे होते रहे हैं। पीडब्ल्यूडी हर बार इन गड्ढों का कारण सीवर लाइन के कार्यों को बताता रहा है। वर्तमान में भी शहर की कई सड़कों पर गड्ढे मौजूद हैं। होली के त्योहार को देखते हुए जिलाधिकारी ने होली से पहले इन सभी गड्ढों को भरने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ता हिरासत में

मनरेगा अभियान के लिए लखनऊ जा रहे थे, पुलिस से हुई नोकझोंक

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता उर्फ मुन्ना सहित दर्जनों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। ये सभी मनरेगा बचाव संघर्ष अभियान के तहत लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें लोधीपुर स्थित एक कार्यक्रम स्थल पर रोका और शॉप के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। दरअसल, मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा बचाव संघर्ष अभियान के अंतर्गत लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने का आह्वान किया था। इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सभी जिलों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लखनऊ पहुंचना था। शाहजहांपुर से जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता उर्फ मुन्ना और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के नेतृत्व में कार्यकर्ता लखनऊ के लिए रवाना होने की तैयारी कर रहे थे। सोमवार शाम को लोधीपुर स्थित जिलाध्यक्ष की दुकान पर लखनऊ रवाना होने की रणनीति बनाई जा रही थी। कांग्रेसियों ने करीब दस वाहन भी तैयार कर लिए थे। पुलिस को इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने जिलाध्यक्ष की दुकान पर पहुंचकर लगभग दो दर्जन पदाधिकारियों को हिरासत में ले लिया। उन्हें अंदर बंद कर बाहर से लोहे का चैनल लगा दिया गया। करीब तीन घंटे बाद पुलिस ने कांग्रेसियों को उनके घरों पर छोड़ा और बाद में नजरबंद कर दिया। पदाधिकारियों ने बताया कि उन्हें मंगलवार सुबह 11 बजे तक घेराव के लिए लखनऊ पहुंचना था, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने दावा किया कि उनके पास लखनऊ जाने के कई अन्य रास्ते हैं और पुलिस उनकी आवाज को दबा नहीं सकती।

सट्टा लिखते व्यक्ति का वीडियो

राह चलते पुलिस पकड़कर कार्रवाई का करती दावा, घरों में बेखौफ चल रहा अवैध कारोबार

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , सट्टा लिखे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वीडियो चौक कोतवाली क्षेत्र के विसरात रोड का बताया जा रहा है। इसमें एक व्यक्ति घर के अंदर बेखौफ होकर सट्टा लिखता दिख रहा है, जबकि पुलिस राह चलते सट्टा लिखने वालों पर कार्रवाई का दावा करती है। वायरल हुए 16 सेकंड के इस वीडियो में एक व्यक्ति कुर्सी पर बैठा है और सामने स्टूल पर डायरी रखकर पेन से नंबर लिख रहा है। आसपास कई लोग खड़े दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि शहर में एक बार फिर सट्टे का अवैध कारोबार सक्रिय हो गया है, जिससे युवा अपनी कमाई गंवा रहे हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन एसपी एस आनंद के कार्यकाल में सट्टे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगा दिया गया था। उस समय 'सट्टा किंग' कहे जाने वाले को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अब वही सट्टा फिर से शहर की गलियों में सक्रिय किया जा रहा है, जहां कागजों पर नंबर लिखकर लोगों को बर्बाद किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, गली-गली में सट्टा लिखने वालों को ठेके दिए गए हैं। आरोप है कि पुलिस के कुछ नुमाइंदे भी इस अवैध कारोबार को बढ़ावा देने में लगे हैं। थाना सदर बाजार, चौक कोतवाली, थाना आरसी मिशन और थाना रोजा क्षेत्रों में सट्टा लिखने वालों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसकी रूपरेखा एक पॉश कालोनी में तैयार की जाती है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सट्टे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के दावे खोखले साबित हुए हैं। बताया जा रहा है कि सट्टा कराने वालों की जड़ें काफी गहरी हैं, जिससे यह अवैध धंधा बेरोकटोक जारी है। चौक कोतवाली इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो संज्ञान में आया है। बेरी चौकी प्रभारी को जांच कर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

संक्षेप

नौगवां फ्लाईओवर पर 64 स्मार्ट स्ट्रीट लाइट पोल का लोकार्पण

पीलीभीत। शहर के सौंदर्यीकरण और यातायात सुरक्षा को नई दिशा देते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा नौगवां फ्लाईओवर को अत्याधुनिक स्ट्रीट लाइटों से सुसज्जित कर दिया गया है। पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने शिलापट का अनावरण कर मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन स्विच ऑन करते हुए 64 स्ट्रीट लाइट पोल का लोकार्पण किया। स्विच दबते ही पूरा फ्लाईओवर रंगीन रोशनी से जगमगा उठा और उपस्थित नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। नगर पालिका परिषद द्वारा फ्लाईओवर के दोनों ओर 32-32 स्टेनलेस स्टील के कुल 64 पोल स्थापित किए गए हैं। इन पोलों की विशेषता यह है कि इनमें जिले की पहचान पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ह्यटाइगरह्ल की आकृति तथा ऐतिहासिक-सांस्कृतिक प्रतीक बांसुरी की कलाकृति को आकर्षक रूप में उकेरा गया है। इससे न केवल फ्लाईओवर की सुंदरता बढ़ी है, बल्कि शहर को एक विशिष्ट पहचान भी मिली है।स्ट्रीट लाइटों की ऑनलाइन संचालन प्रणाली के माध्यम से इन्हें मोबाइल से खोला और बंद किया जा सकेगा, जिससे ऊर्जा संरक्षण और रखरखाव में भी सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था तकनीकी दृष्टि से आधुनिक होने के साथ-साथ सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।लोकार्पण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। स्ट्रीट लाइटें चालू होने के बाद देर रात तक लोग फ्लाईओवर की खूबसूरती निहारने पहुंचते रहे।

नहर किनारे गायों के शव मिलने से सनसनी, ग्रामीणों में आक्रोश; जांच में जुटेगा प्रशासन

स्योहारा। क्षेत्र के लांबाखेड़ा गांव के पास नहर किनारे लगभग सात गायों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी फैलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और मामले को लेकर रोष व्यक्त किया। ग्रामीणों के अनुसार सुबह कुछ लोगों ने नहर पटरी पर कई स्थानों पर गायों के शव पड़े देखे, जिसके बाद तत्काल ग्राम प्रधान को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पूर्व प्रधान शैलेन्द्र सिंह गांववासियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहां का दृश्य अत्यंत संवेदनशील था, नहर किनारे इधर-उधर कई गायों के शव पड़े हुए थे, जिससे क्षेत्र में आक्रोश और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि पास के बुढ़नपुर क्षेत्र में स्थित गौशाला से ही इन पशुओं के शव यहां लाकर फेंके गए हो सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आ गया है और पुलिस टीम को मौके पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि शवों के वहां पहुंचने के कारणों की जांच की जाएगी तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौवंश से जुड़ी ऐसी घटनाएं न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं, बल्कि पशु संरक्षण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती हैं। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि मामले की शीघ्र जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए

हांगकांग से 350 जैन श्रद्धालु पहुंचे प्रयागराज

संगम में डुबकी लगाई, महापौर गणेश केसरवानी ने किया अभिनंदन

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, संगम नगरी की पावन धरा पर मंगलवार को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की वैश्विक स्वीकार्यता का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। हांगकांग (चीन) से आए लगभग 350 जैन श्रद्धालुओं का एक जत्था अक्षयवट स्थित प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) की तपोस्थली और उनकी प्राचीन चरण पादुका के दर्शन हेतु प्रयागराज पहुंचा। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने विदेशी मेहमानों और श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत कर 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा को चरितार्थ किया। हांगकांग से आए इन श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में स्नान-पूजन किया और आध्यात्मिक शांति की अनुभूति साझा की। श्रद्धालुओं का कहना था कि भगवान आदिनाथ की चरण पादुका और उनकी तपोस्थली के दर्शन करना उनके जीवन का दुर्लभ सौभाग्य है। अक्षयवट की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता ने उनकी इस तीर्थयात्रा को अविस्मरणीय बना दिया है। संगम क्षेत्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान महापौर गणेश केसरवानी ने सभी तीर्थयात्रियों का पारंपरिक ढंग से अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने कहा, ₹प्रयागराज सदियों से विविध आस्थाओं और संस्कृतियों का संगम रहा है। हांगकांग से आए जैन श्रद्धालुओं का यहाँ आगमन सिद्ध करता है कि भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी पूरे विश्व को शांति, संयम और नैतिक मूल्यों की दिशा दिखा रही है।₹ उन्होंने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन उनकी सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अहिंसा और विश्व बंधुत्व का संदेश इस अवसर पर आचार्य मोहित पांडेय, पार्षद मुकेश कसेरा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्रों—अहिंसा और सह-अस्तित्व के वैश्विक प्रभाव पर चर्चा की। श्रद्धालुओं ने स्थानीय प्रशासन और नगरवासियों द्वारा मिले आत्मीय सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस यात्रा को 'आस्था की अविरल धारा' करार दिया।

बुजुर्ग मां को गोद में उठाकर भटकती रही बेटी

एसआरएन अस्पताल में एक घंटे तक इंतजार किया, व्हीलचेयर तक नहीं मिला

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में एक बेटी अपनी बुजुर्ग मां को गोद में लेकर इलाज कराने पहुंची। बादलगंज के रहने वाले राजाराम अपनी बेटी के साथ 60 वर्षीय पत्नी को पीठ दर्द का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। जिन्हें घर में गिरने से गंभीर चोट लगी थी। बुजुर्ग महिला पैरों पर खड़ी भी नहीं हो पा रही थीं। फिर भी उन्हें स्ट्रेचर या व्हीलचेयर नहीं मिला। राजाराम ने बताया कि बेटी ने कर्मचारियों से स्ट्रेचर मांगा तो उन्होंने कहा इंतजार करिए जब कोई मरीज लेकर लौटेगा तो दे देंगे। एक घंटे तक इंतजार के बाद थक हारकर बेटी ने अपनी मां को गोद में उठा लिया और अस्थि रोग विभाग की ओपीडी की ओर दौड़ पड़ी। राजाराम ने बताया कि बेटा बाहर नौकरी करता है इसलिए पिता-पुत्री ही मां का इलाज कराने आए थे। अस्पताल में प्रतिदिन ट्रामा सेंटर और ओपीडी में हजारों मरीज आते हैं। रोजाना लोग स्ट्रेचर और व्हीलचेयर के लिए भटकते रहते हैं। ज्यादातर मरीजों को सुविधा नहीं मिल पाती है। पहले मोबाइल जमा करने पर पर स्ट्रेचर और व्हीलचेयर तीमारदारों को मिलता था। अब प्रशासन ने पहचान पत्र जमा करने का नियम बनाया है। लेकिन पर्याप्त स्टॉक न होने से घंटों इंतजार पड़ता है।

रिश्वतखोरी के आरोप में अधिशासी अभियंता निलंबित

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर जनपद के बिंदकी विद्युत वितरण खंड अधिशासी अभियंता की रिश्वतखोरी का मामला सामने आया जहां प्रबंध निदेशक ने अधिशासी अभियंता इंजीनियर राजेश कुमार को तत्काल निलंबित करते हुए जांच प्रारंभ की क्षेत्रीय उपभोक्ता लोगों के अनुसार अधिशासी अभियंता की रिश्वतखोरी की शिकायतें लंबे समय से उपभोक्ता करते आ रहे हैं जहां काफी समय पश्चात प्रबंध निदेशक पूर्वांचल द्वारा मामला संज्ञान में लिया गया अधिशासी अभियंता के ऊपर शिकायतकताओं ने अभद्र भाषा में बात करने तथा रिश्वत लेने का आरोप लगाया क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि कई बार शिकायते की जाती रही परंतु विभाग ने मामले को लगातार नजरअंदाज कर दिया जिसके कारण विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार और बढ़ता रहा देखना यह है कि ऐसे निलंबित घूसखोरी अधिशासी अभियंता के ऊपर विभाग अपनी क्या कलम चलाता है।

धूमधाम से मनाई गई सिद्धेश्वर धाम की 27वीं वर्षगांठ

एक सैकड़ा से अधिक लोगों को कंबल अंग वस्त्र किए गए भेंट

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर । जनपद के जहानाबाद विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बंथरा में स्थापित श्री सिद्धेश्वर शक्तिपीठ धाम की 27वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई मंदिर के सर्वराकर अध्यक्ष श्री नारायण पाण्डेय के नेतृत्व में विधिवत सुंदरकांड आयोजित किया गया जहां वेद मंत्रों की ध्वनि से पूजन विधान के पश्चात यज्ञ कार्य भी संपन्न हुआ कार्यक्रम समापन पर महाआरती संपन्न हुई जहां जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा प्रमुख अध्यक्ष ने बुजुर्गों से मिली प्रेरणा के अनुसार गांव के निराश्रित महिला पुरुष वर्ग के लगभग एक सैकड़ा से अधिक लोगों को अंग वस्त्र कंबल इत्यादि भेंट किया वही कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जहां भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु भक्तगणों ने महाप्रसाद को ग्रहण करते हुए पुण्य प्राप्त किया इस मौके पर पूर्व शिक्षक विधायक लवकुश कुमार मिश्र पूर्व शिक्षक दिवाकर प्रसाद दीक्षित शिवशंकर सचान सेवानिवृत्त स्टेनो रामशरण पाण्डेय वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकांत पाण्डेय विकास पाण्डेय विनीत नीलू अजय सुनील शीलू पाण्डेय सेवानिवृत्त लिपिक योगेंद्रनाथ दीक्षित बृजेंद्र संदीप दीक्षित इंद्रपाल सचान समेत भारी संख्या में गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु गण मौजूद रहे आए हुए सभी भक्तों एवं अतिथियों का मंदिर के संरक्षक श्री नारायण पाण्डेय ने सादर आभार व्यक्त किया

सूना घर पाकर चोरों ने लाखों रुपए की जेवर किया पार

महाराष्ट्र से लौटे पीड़ित ने नजदीकी थाना चांदपुर में दी तहरीर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कौंह में विगत लगभग एक सप्ताह पहले 11 फरवरी के लगभग अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान में घुसकर लाखों रुपए के जेवर पार कर दिया मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण संजीव पाण्डेय पुत्र रुद्र कुमार पाण्डेय अपना व्यापार महाराष्ट्र राज्य के दमन जनपद पर करते हैं विगत वर्ष पत्नी के देहावसान होने के पश्चात गांव का मकान सूना हो गया वहीं पीड़ित के दो बच्चे दिल्ली में नौकरी कर रहे हैं पीड़ित अपने गांव महीने दो महीने में आता जाता रहता है अचानक हुई घटना की जानकारी जैसे ही पीड़ित के भाई संतोष कुमार पाण्डेय को मिली उन्होंने तत्काल अपने भाई संजीव पाण्डेय को सूचना दी सूचना पाकर पीड़ित महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद अंतर्गत चांदपुर थाना के अपने पैतृक गांव कौंह पहुंचा जहां घर के अंदर के पांच दरवाजे टूटे मिले तथा अंदर ताले में बंद सोने चांदी की पूरे आभूषण गायब थे यह देख पीड़ित हक्का-बक्का रह गया तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी चांदपुर विनोद कुमार पटेल ने घटनास्थल का जायजा लिया वहीं पीड़ित ने मीडिया से मुखातिब होते हुए बताया कि चोरों ने घर में लाकर में रखी लगभग सवा किलो चांदी तथा लगभग 12 तोला सोना जो आभूषण रूप में थे पार कर दिया पीड़ित ने लिखित तहरीर नजदीकी थाना चांदपुर में दी जहां तहरीर के आधार पर थाना प्रभारी चांदपुर ने बीएनएस धारा 331(4)/305 के तहत अज्ञात चोरों के ऊपर मुकदमा पंजीकृत किया वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है तथा अज्ञात चोरों की खोजबीन जारी है

पत्नी ने कराई पति की सुपारी देकर हत्या

फरार आरोपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

60000 रुपए में मर्डर करने की ली थी सुपारी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर जनपद के असोथर थाना क्षेत्र अंतर्गत टीकर गांव में 13 जनवरी को हुई हत्या की घटना के पश्चात फरार आरोपी जितेंद्र उर्फ जिद्दी के खिलाफ न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी किए मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने मृतक की पत्नी रेनू से 60000 रुपए की सुपारी पति की हत्या के लिए ली थी जहां मृतक की पत्नी रेनू तथा उसकी महिला मित्र मालती समेत अन्य कई लोग शामिल थे घटना को अंजाम देते हुए धारदार हथियार से गला रेत कर थाना क्षेत्र के टीकर गांव निवासी किसान रामसुमेर सिंह की हत्या कर दी गई वही छानबीन के पश्चात मृतक की पत्नी रेनू महिला मित्र मालती तथा राजू पासवान को प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया समूचे प्रकरण में गांव बहरामपुर निवासी रामप्रकाश उर्फ मद्दू तथा जितेंद्र उर्फ जिद्दी वांछित आरोपी थे जिसमें आरोपी रामप्रकाश ने विगत सप्ताह पहले 4 फरवरी को आत्मसमर्पण कर दिया वहीं मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ जिद्दी फरार चल रहा है फरार आरोपी के खिलाफ न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी किया असोथर थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी की तलाश में अलग-अलग टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने में प्रशासन कामयाबी पाएगा

कप्तान साहब! कही भरी ट्रक से माल गायब तो नहीं हो गयी?

हजम नही हो रहा है ट्रक मे सिर्फ 360 बोतल की पुलिसिया कहानी।

360 बोतल की बरामदगी पर पुलिस कटघरे में।

अमन लेखनी समाचार

कुशीनगर। बीते दिनो जिले के पडरौना कोतवाली पुलिस ने बिहार बॉर्डर स्थित बांसी चौकी के पास एक ट्रक से 360 बोतल पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद कर अंतरराज्यीय तस्करी का खुलासा करने का दावा किया था। लेकिन इस कार्रवाई के बाद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या वाकई ट्रक में सिर्फ 360 बोतल थीं, या फिर भरी ट्रक से बाकी माल गायब कर दिया गया? यही वजह है कि बरामदगी की मात्रा और ट्रक के उपयोग के बीच का अंतर पुलिस की कहानी पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है।

पंजाब से बिहार तक सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करने वाला ट्रक सामान्यतः बड़ी खेप ढोता है। ट्रक का भाड़ा, डीजल, टोल टैक्स, ड्राइवर खर्च सब मिलाकर लाखों का खर्च स्वभाविक है। ऐसे में लगभग दो लाख रुपये कीमत की 360 बोतल शराब लेकर इतना लंबा सफर करना आर्थिक दृष्टि से अव्यावहारिक लगता है। जानकारों कको माने तो तस्करी का धंधा जोखिम और मुनाफे के संतुलन पर चलता है। ऐसे मे सवाल उठना लाजमी है कि क्या कोई संगठित गिरोह इतनी छोटी खेप के लिए पूरा ट्रक दांव पर लगाएगापुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी संगठित गिरोह से जुड़े हैं और पंजाब व चंडीगढ़ से शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामो पर बेचते थे। लेकिन गिरोह का सरगना कौन है? इसकी जानकारी पुलिस ने खुलासे मे नही किया। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि पुलिस के हत्थे चढे दोनो तस्कर ट्रक मे भरकर ले जा रहे शराब बिहार में किसको देने वाले थे? क्या वह सडक के किनारे ट्रक खडा कर शराब बेचने वाले थे? क्या पहले भी इस रूट से खेप गई है? ऐसे तमाम सवाल है जिसका जबाब पुलिस के पास भी नही है। स्थानीय चर्चा में यह भी सवाल उठ रहा है कि कहीं ट्रक में वास्तविक मात्रा पुलिस द्वारा किये गये खुलासे 360 बोतल से अधिक तो नहीं थी? क्योंकि ट्रक में महज 360 बोतल की पुलिसिया कहानी किसी को हजम नही हो रही है। क्या जब्ती सूची पूरी है? क्या बरामदगी की वीडियोग्राफी हुई? क्या स्वतंत्र गवाह मौजूद थे? ऐसे तमाम सवाल मुंह बाये खडे है। सबब यह है कि जब ट्रक की क्षमता और बरामदगी की संख्या में इतना बडा अंतर हो, तो संदेह और सवाल उठना स्वाभाविक है। कहना ना होगा कि यह मामला सिर्फ 360 बोतलों का नहीं, बल्कि पुलिसिया कार्रवाई की विश्वसनीयता का है। यदि वास्तव में बड़ी तस्करी पकड़ी गई है तो पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए।

स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर -सकारात्मक सोच के साथ स्वस्थ जीवन की राह बिना स्वच्छ पर्यावरण के सम्भव नहीं हो सकती। पर्यावरण के लिए हमारा योगदान निश्चित रूप से हमारी आने वाली पीढ़ी को हमारा उपहार एवं दायित्व है। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग हम सभी को बेहतर पर्यावरण के लिए हम सभी को बिल्कुल बन्द करना होगा। यह विचार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय नगर पंचायत अध्यक्षी पुनीत सिंह परिहार ने जिला विज्ञान क्लब, के तत्वावधान में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज तालबेहट में आयोजित स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन के लिए वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में विभिन्न माध्यमिक/बेसिक विद्यालयों के लगभग 250 छात्र छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष, कार्यक्रम की अध्यक्षा प्रधानाचार्या श्रीमती अंजना वर्मा डॉ रीतेश खरे, श्री राजेंद्र कुमार मिश्रा राहुल जैन ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित डॉक्टर रीतेश कुमार खरे ने कहा कि वर्तमान समय मे स्वस्थ जीवन शैली की कमी से अनेक रोग हो रहें है विद्यार्थियों को विशेष रूप से अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदतों के विकास करना चाहिए। सस्टेनेबल डेवलपमेंट की अवधारणा को भी उन्होंने समझाया। जिला विज्ञान क्लब समन्वयक राहुल जैन ने कहा कि पेड़ पानी और पोलीथीन पर हमारा फोकस होना चाहिए तब हम, जल जमीन जंगल जानवर और जन को बचा पाएंगे। श्री राजेंद्र कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार एवं उचित नींद की बात समझाई साथ ही स्वस्थ रहने के लिए मिलेट्स के उपयोग के बारे में बच्चों को जानकारी दी तथा जंक फूड से होने वाली हानि की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्राप्त स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन पर साहित्य का विमोचन किया गया एवं छात्र-छात्राओं को वितरित किया गया है। निर्णायक मण्डल के सदस्यों में ऊषा रानी वर्मा, सारिका नायक, करुणेश, पूनम, प्रतिमा नारायण धर्मेंद्र, रितु तिवारी, इंद्रजीत, विकास कुमार को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनुराग कौशिक, पूनम चौबे, शिप्रा तिवारी, गीता श्रीवास्तव फरहा, रेशमा बनो, रेशमा खातून, रीता चौबे, आदि शिक्षक /शिक्षिकाएं उपस्थिति रही। संचालन चंद्रमणि ने किया। अंत में जिला विज्ञान क्लब समन्वयक राहुल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बसंतकालीन गन्ना बुवाई की प्रगति पर समीक्षा बैठक

3511 हेक्टेयर लक्ष्य निर्धारित, प्रमाणित बीज से ही बुवाई के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

पीलीभीत। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव द्वारा बसंतकालीन गन्ना बुवाई एवं माइक्रोप्लान की प्रगति की समीक्षा के लिए किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर में एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में मिल के मुख्य गन्ना अधिकारी अमित चतुर्वेदी सहित फील्ड स्टाफ उपस्थित रहा।बैठक के दौरान जिला गन्ना अधिकारी ने निर्देश दिए कि बसंतकालीन गन्ना बुवाई का कार्य वैज्ञानिक पद्धति एवं निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुरूप कराया जाए। साथ ही प्रतिदिन बुवाई की प्रगति की समीक्षा कर उसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित की जाए।उन्होंने बताया कि पूरनपुर चीनी मिल क्षेत्र में वर्ष 2026-27 के लिए 3511 हेक्टेयर बसंतकालीन गन्ना बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य की पूर्ति हेतु गन्ना विकास परिषद पूरनपुर को अभिजनक गन्ना बीज का आवंटन कर दिया गया है। बीज की उपलब्धता चीनी मिल प्रक्षेत्र पीलीभीत एवं पुवायां से सुनिश्चित कराई गई है। कृषकों को उच्च उत्पादकता वाली उन्नतशील किस्मों—को.शा. 13235, को.शा. 17231, को.15023, को.शा. 13231, को.शा.10239, को.लख. 94184, को.98014, को. 05125, को.लख.16202, को.लख.18231, को.शा. 19231—का सिंगल-बड एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जाएगा। अगेती किस्मों में को.शा.13235, को.शा.17231 एवं को.15023 को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला गन्ना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कृषक केवल प्रमाणित एवं अनुशंसित गन्ना बीज से ही बसंतकालीन बुवाई करें। अस्वीकृत एवं अप्रचलित किस्में—को.पी.9302, को.शा.91269, को.पी. को.शा.1148—की बुवाई कदापि न की जाए।

संक्षेप

टीवी मुक्त करने का संकल्प

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज हरदोई। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के 136 मरीजों को एचसीएल ने गोद लिया। उन मरीजो को पोषण किट वितरित की गई । मंगलवार को अस्पताल के मायादेवी, पवन कुमार, शकीला, जागेश्वर, बीना कुमारी, राधा सहित 136 मरीजो को अधीक्षक संजय कुमार ने पोषण किट वितरित की। मरीज को अधीक्षक ने कहा कि मरीजों को हर माह पोषण किट दी जाएंगी। जिससे प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान सार्थक हो सके। इस मौके पर डॉ परवेज अहमद, संजय कुमार, प्रतिमा, ऋषभ नौरंग आदि लोग मौजूद रहे।

मां की डांट से क्षुब्ध छात्रा ने जहरीला पदार्थ गटका हालत में सुधार

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के इमलिया थोक में मां की डांट से क्षुब्ध होकर हाईस्कूल की छात्रा ने जहरीला पदार्थ गटक लिया। हालत बिगड़ने पर उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर उसे छुट्टी कर दी गई। कस्बे के इमिलिया थोक निवासी अवधेश लाल की पत्नी शिवकांती ने बताया कि उसकी पुत्री प्रांसी (15) अपनी छोटी बहन मानसी एवं भाई कमल से किसी बात को लेकर झगड़ रही थी। इसी पर उसने प्रांसी को डांट दिया था। मां की डांट से क्षुब्ध होकर उसने रात करीब 10 बजे घर पर रखा जहरीला पदार्थ गटक लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।बताया कि प्रांसी कस्बे के एक विद्यालय में दसवीं की छात्रा है। बुधवार उसका पेपर है। अब वह स्वस्थ है और अपनी गलती पर पश्चाताप कर रही है। बुधवार को वह पेपर देने भी जाएगी। इसी तरह कस्बे के बांकी रोड निवासी दीपू की पुत्री पलक (15)ने भी जहरीला पदार्थ गटक लिया था। उसे भी रात करीब 2:30 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के बाद उसकी हालत में भी सुधार है और उसे भी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जाम से हाईवे में तीन घंटे तक रेंगे वाहन

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। मंगलवार को कस्बे के अंदर हाईवे में खंभा लादकर जा रहा ट्रेलर अचानक खराब हो जाने से कस्बे में 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद खराब ट्रेलर को हाइवे से हटाकर यातायात सामान्य कराया।इस दौरान हाइवे में 3 घंटा यातायात प्रभावित रहा है कस्बे की उद्योग नगरी से खंभा लादकर हमीरपुर की तरफ जा रहा एक ट्रेलर कस्बे के अंदर 12 बजे ग्रीन लाज के समीप हाइवे में खराब हो गया।इससे कस्बे में भीषण जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद खराब ट्रेलर को हटाकर यातायात समान्य कराया। जाम में परिवहन निगम की बसे, स्कूली बसे, एम्बुलेंस आदि फंसी रही हैं।जाम के चलते हाईवे में दोनों तरफ करीब 5 किलोमीटर लम्बी वाहनों की लाइन लग गई।जाम में वाहन करीब 3 घंटे तक रेंगते रहे।

शाहाबाद में डकैती डालने वाले बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

बरेली में मुठभेड़ में दो को लगी गोली, पांच गिरफ्तार

, नौ फरवरी को दिया था वारदात को अंजाम

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद(हरदोई)।शाहाबाद के मलिकापुर में परिवार को बंधक बनाकर लूटने वाले बदमाश बरेली में पुलिस से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हो गए हैं। बरेली जनपद के भोजीपुरा में पुलिस की गोली पैर में लगने से दो शातिर घायल हुए हैं।इसके समेत कुल पांच लोग पकड़े गए हैं। पुलिस का दावा है कि शाहाबाद में हुई घटना को अंजाम देना इन बदमाशों ने स्वीकार किया है। मलिकापुर निवासी अनीस वीती नौ फरवरी की रात घर में सोए थे। बरामदे में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा भी सोया था। रात में लगभग ढाई बजे पड़ोस में निमार्णाधीन मकान के रास्ते दीवान फांदकर पांच बदमाश घर में घुस आए थे। तमंचे और धारदार हथियारों के दम पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया था। अनीस से मकान की सभी चाबियां छीनकर लगभग 12 लाख रुपये के जेवर और 30 हजार रुपये लूट ले गए थे। डकैती की धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की थीं। इनकी धरपकड़ के लिए प्रयास हो रहे थे। इसी दौरान इन्हीं बदमाशों ने 12 फरवरी को बरेली के धौराटांडा में भी लूट की एक घटना को अंजाम दिया था। बरेली जनपद के भोजीपुरवा थाने की पुलिस टीम रविवार रात गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर महेशपुर शिवसिंह से मसीत जाने वाले मार्ग पर पिकअप को रुकने का इशारा किया गया। इस पर पिकअप सवार लोगों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। दो पुलिस कर्मियों की बांह को छूते हुए गोली निकल गई। जवाबी फायरिंग में बरेली जनपद के बारादरी धाना क्षेत्र के एजाज नगर गौटिया निवासी आसिफ बाएं पैर में और हाफिजगंज थाना क्षेत्र के लभेड़ा निवासी अकरम अली दाएं में गोली लगने से घायल हो गए। मौके से इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से 60 हजार रुपये, चार मोबाइल फोन, दो तमंचे, दो खोखा, दो कारतूस और एक पैर पिकअप बरामद हुई है। इनके साथ बारादरी थाना क्षेत्र के तुलसीनगर निवासी साहिल और उसका भाई नन्हे व पीलीभीत जनपद के दिओरी कला थाना क्षेत्र के महमदपुर निवासी नन्हें उर्फ रतीराम को भी गिरफ्तार किया गया है। इनके चार साथियों की तलाश भी पुलिस कर रही है। पुलिस अधीक्षक हरदोई अशोक कुमार मीणा ने बताया कि बरेली पुलिस को पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया है कि शाहाबाद में भी उन लोगों ने ही घटना को अंजाम दिया था।

तीन किलोमीटर पहले छोड़ दिए थे मोबाइल फोन

बाद पुलिस महकमे से जुड़े विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि गिरफ्तार किए गए आरोपी शातिर हैं। शाहाबाद में घटना को अंजाम देने से पहले शाहजहांपुर की तरफ घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर इन सभी ने अपने मोबाइल रख दिए थे। इसका पता तब चला जब घटना के समय सक्रिय मोबाइल नंबरों का ब्योरा हरदोई पुलिस ने सर्विलांस के जरिए निकाला था। 12 फरवरी को बरेली के धौराटांडा में हुई लूट की घटना में भी यही मोवाइल नंचर आसपास सक्रिय मिले थे। इससे यह तय हो गया था कि दोनों ही घटनाएं एक ही गिरोह ने अंजाम दी हैं। पुलिस को मिली और आरोपी मुठभेड़ के हालांकि मामले में सफलता बरेली गिरफ्तार कर लिए गए।

कस्बे में बनेगा हैलीपैड जमीन की तलाश शुरू

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। शासन ने ब्लाक स्तर पर स्थाई हैलीपैड बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। कुरारा और मौदहा में जमीन चिन्हित हो गई है। कस्बे में जमीन की तलाश जारी है कस्बे में तपोभूमि प्रांगण के मेला मैदान को अधिकारियों ने देखा था, लेकिन यह सर्वऋतु के लिए उपयुक्त जगह नहीं है। इस वजह से इसको खारिज करके दूसरी उपयुक्त जमीन तलाशी जा रही है लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह ने बताया कि शासन ने ब्लाक स्तर पर स्थाई हैलीपैड बनाने के प्रस्ताव मांगे हैं। जनपद के मौदहा, कुरारा में जमीन चिन्हित हो गई है। सुमेरपुर में जमीन तलाश जारी है। राजस्व विभाग ने गायत्री तपोभूमि प्रांगण के मेला मैदान की जमीन का निरीक्षण कराया था,लेकिन यह जमीन सर्वऋतु के लिए उपयुक्त नहीं है। बरसात में यहां पानी भर जाता है। इस वजह से इस जमीन को खारिज कर दिया है। दूसरी जमीन की तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से वृद्ध की मौत, चालक फरार

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीलाझमल्लावां मार्ग पर गौरी खालसा गांव के सामने मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से सड़क किनारे खड़े एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार कछौना थाना क्षेत्र के ग्राम खजोहना निवासी लाइक उर्फ मुन्नी (65) मंगलवार सुबह दवा लेने के लिए गौरी खालसा स्थित सरकारी अस्पताल गए थे। वहां से लौटते समय वह संडीलाझमल्लावां मार्ग पर वाहन के इंतजार में सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कासिमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर थाने भिजवा दिया। बताया गया है कि मृतक की कोई संतान नहीं थी। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाल घनश्याम राम ने बताया कि तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तीन दिनों से लापता एक अधेड़ का शव नाले से हुआ बरामद

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। मौदहा कोतवाली क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लापता एक अधेड़ का शव नाले से बरामद हुआ है। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि यह कई दिनों से पानी में था। घटना मौदहा क्षेत्र के कम्हरिया गांव की है। गांव के पास एक पुलिया के नीचे बहने वाले नाले का पानी कम होने पर स्थानीय लोगों ने शव देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकालकर उसकी शिनाख्त की। मृतक की पहचान 55 वर्षीय दिलदार के रूप में हुई है। जो कम्हरिया गांव का निवासी एक मजदूर था ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जलाल अहमद ने बताया कि दिलदार तीन दिन पहले घर से लापता हुए थे। उनके दो बेटे और एक बेटी थे, जिनमें से एक का निधन हो चुका है और दूसरा ड्राइवर है। जबकि बेटा और बेटी दोनों की ही शादी हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दिलदार नशे के आदी थे। आशंका जताई जा रही है कि नशे की हालत में नाले में गिरने से उनकी मौत हुई होगी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

अज्ञात कारणों के चलते लगी आग दुकान खाक

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। क्षेत्र के ग्राम कुंडौरा में बीती रात अज्ञात कारणों के चलते दुकान में लगी आग से दुकान जलकर खाक हो गई। आग से करीब 20 हजार का नुकसान हुआ है कुडौरा निवासी सुखबीर सिंह ने पुलिस को अवगत कराया कि बीती रात 11 बजे अज्ञात व्यक्ति ने उसकी दुकान में आग लगा दी। दुकान पूरी तरह से जलकर खाक हो गई और करीब 20 हजार का सामान जलकर खाक हो गया है

चकाडोरी धाम में 22 मई से होगा श्रीराम महायज्ञ का आयोजन

मंदिर प्रांगण में ध्वजा स्थापना, यज्ञ घोषणा एवं भंडारे का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

ककरबई, झांसी। ककरबई के समीप चकाडोरी धाम आश्रम पर आगामी श्रीराम महायज्ञ के लिए ध्वजा स्थापना की गई एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वही आश्रम पर सोमवार से शुरू हुए धार्मिक कार्यक्रम अखंड रामायण पाठ एवं सुंदरकांड पाठ का समापन हुआ। आगामी 22 मई से शुरू होने वाले श्री राम महायज्ञ के लिए मंत्रउच्चारण के साथ पूजन करके ध्वज स्थापना की गई। पूजन पंडित रविंद्र शास्त्री के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महंत राकेशदास महाराज ने बताया कि श्रीराम महायज्ञ में विख्यात कथावाचक रमाकांत व्यास जी द्वारा भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। वही यज्ञ के दौरान सामूहिक विवाह समारोह में निर्धन परिवारों की बेटियों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। 30 मई को विशाल भंडारे का

आयोजन होगा। ध्वजा स्थापना के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर आश्रम के महंत राकेश दास जी महाराज, राहुल राजपूत, कैलाश तिवारी, महेश विदुआ, अरुण गुप्ता, कमलापत उपाध्याय, श्री प्रकाश द्विवेदी, सीतासरण तिवारी,, निखिल गुप्ता,अमित चौरसिया, ओम प्रकाश मिश्रा, गिरिजा नंदन दीक्षित, राम प्रकाश समेले, सुनील तिवारी, विश्वनाथ लल्ला, अनुज द्विवेदी, सरजू शरण पाठक, रूद्रप्रकाश द्विवेदी , कृष्णकांत खरे, अवधेश फौजी, प्रसिद्ध नारायन यादव, अवधेश फौजी, मुन्ना दाऊ, विकास तिवारी ,अंकित मिश्रा, अभिषेक चतुवेर्दी ,कमलेश द्विवेदी, नितिन मिश्रा, मोलू घटियारी, विनोद पाठक, संतोष पटेल, दीपू अस्ता, अखिलेश तिवारी, सुनील चौहान, आलोक पांडे कमलेश द्विवेदी,रोहित द्विवेदी, सार्थक नायक , हेमंत यादव, श्याम सिंह यादव, सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। आश्रम के महंत राकेश दास जी महाराज ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बगैर अतिक्रमण हटाए गहरीकरण कार्य शुरू करने पर आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

भरूआ, सुमेरपुर। ग्राम पंचायत पंधरी के संदूक तालाब में बगैर अतिक्रमण हटाए गहरीकरण का कार्य लघु सिंचाई द्वारा शुरू करने पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है।ग्रामीणों का कहना है कि पहले तालाब का अतिक्रमण हटाना चाहिए।लघु सिंचाई विभाग ने तालाब गहरीकरण योजना के तहत पंधरी स्थित संदूक तालाब को चिन्हित किया गया है। मंगलवार को ठेकेदार ने इसमें कार्य शुरू करा दिया है। कार्य के शुरू होते ही ग्रामीणों में आक्रोश पनपने लगा है। गांव निवासी यातेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, जितेंद्र कुमार आदि ने बताया कि तालाब में अतिक्रमण है। लेकिन अतिक्रमण को हटाए बगैर कार्य शुरू कर दिया गया है। यह सही नहीं है। विभाग को पहले अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया करनी चाहिए। बाद में कार्य शुरू करना चाहिए। लघु सिंचाई के अधिशाषी अभियंता संतोष अग्रवाल ने कहा कि वह तालाब के अतिक्रमण को हटाने के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेज रहे हैं। राजस्व विभाग की टीम नापजोख कर के अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करेगी।

ऊंचाई वाले इलाके में नहीं हो रही जलापूर्ति

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। नमामि गंगे योजना का तहत बनाए गए ओवरहेड टैंक से सप्लाई नहीं होने से किसी भी पंचायत में ऊंचाई वाले इलाके में जलापूर्ति नहीं हो पा रही हैं। इससे ग्रामीण परेशान है मुंडेरा के प्रधान अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि गांव के ऊंचाई वाले इलाकों में जलापूर्ति नहीं हो पा रही है क्योंकि जलापूर्ति टंकी के बजाय सीधे पाइपलाइन से की जा रही है साथ ही किसी भी कनेक्शन में टोंटी नहीं लगाई गई है। इससे हजारों लीटर पानी नालियों में बह रहा है। उन्होंने कहा कि टोंटियां या लगाना बेहद जरूरी है तभी पानी की बबार्दी रुकेगी।

हरदोई मेडिकल कॉलेज की शर्मनाक लापरवाही,बेड पर 6 घंटे पड़ी रही लाश

शरीर अकड़ने पर हुई स्टाफ को जानकारी, सीएमएस ने दिए जांच के आदेश...

अमन लेखनी समाचार

हरदोई मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लापरवाही और संवेदनहीनता की ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसने व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 15 वर्षीय अज्ञात किशोरी की मौत के बाद उसका शव करीब 6 घंटे तक बेड पर पड़ा रहा और ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को इसकी भनक तक नहीं लगी।मेडिकल कालेज प्रशासन ने प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। हरदोई के मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी वार्ड में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल व्यवस्था उजागर हुई है।यहां भर्ती कराई गई एक 15 वर्षीय अज्ञात किशोरी की मौत के बाद भी घंटों तक किसी ने उसकी सुध नहीं ली।बताया जा रहा है कि सोमवार रात करीब 12 बजे किशोरी ने दम तोड़ दिया,लेकिन मंगलवार सुबह करीब 6 बजे तक उसका शव उसी बेड पर पड़ा रहा। जब एक कर्मचारी की नजर पड़ी तो देखा कि किशोरी के हाथ-पैर पूरी तरह अकड़ चुके थे।

मिली जानकारी के अनुसार,सीतापुर निवासी रामगोपाल हरपालपुर से लौटते समय बस स्टैंड के पास भीड़ देखकर रुके।वहां करीब 15 वर्षीय किशोरी बेसुध हालत में पड़ी मिली।मानवता दिखाते हुए रामगोपाल उसे अपनी गाड़ी से हरदोई मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे और भर्ती कराया।डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार तो किया,लेकिन उसके बाद कथित तौर पर कोई नियमित मॉनिटरिंग नहीं की गई।चिकित्सकों के अनुसार, मौत के करीब 6 घंटे बाद शरीर में अकड़न (रिगर मॉर्टिस) शुरू होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर और स्टाफ आखिर क्या कर रहे थे? क्या मरीजों की निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है?

मामले पर मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्र कुमार ने कहा कि किशोरी की मौत के बाद 4झ5 घंटे तक शव बेड पर पड़ा रहा इस प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं उन्होंने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।उन्होंने ये भी बताया कि किसी की मृत्यु के बाद शरीर में करीब 6 घंटे बाद शरीर में अकडन शुरू हो जाती है ये बच्ची कमजोर थी हो सकता है कि शरीर में अकड़न जल्दी आ गई हो फिलहाल प्रकरण की जांच कराई जा रही है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्यारेलाल के पोखरा स्थित भोलेनाथ चंदईपुर का हुआ श्रृंगार

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। स्थानीय सिटी ब्लॉक स्थित चंदईपुर स्थित प्यारेलाल के पोखरा के पास स्थापित भगवान भोलेनाथ का 15 फरवरी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य श्रृंगार एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो निर्धन जोड़ों का विवाह कराया गया । प्यारेलाल के पोखरा स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर समिति के प्रमुख दिलीप सिंह गहरवार एव हाकिम सिंह द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि प्रत्येक वर्ष समाज के दो निर्धन जोड़ों का विवाह भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से कराया जाता है ।इस बार भी दो निर्धन जोड़ों का विवाह कराया गया है जिनमें अनु पुत्री सुरेश निषाद निवासी छोटी बसही की शादी अजय कुमार पुत्र केदारनाथ निवासी गोपालपुर अमरावती विंध्याचल के साथ तथा दूसरे जोड़े में पिंकी पुत्री प्रेम कुमार निवासिनी चंद्रपुर अमोई की शादी धीरज निवासी वीरपुर अमोई मिजार्पुर के साथ संपन्न हुई। भव्य श्रृंगार के बाद सैकड़ो भक्तों द्वारा भगवान के भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया। दिलीप सिंह गहरवार ने बताया कि विवाह में भगवान भोलेनाथ के श्रृंगार के पश्चात दोनों जोड़ों में और पक्ष द्वारा धूमधाम से बारात निकाली जाती है जो वापस पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के मंदिर पर समाप्त होती है और वहीं पर फिर बने विवाह विधि पर दोनों जोड़े का बैठकर विवाह कराया गया। दोनों जोड़ों को सुखी वैवाहिक जीवन के लिए जरूरतमंद का घर गृहस्ती की सभी सामान जैसे बर्तन खान-पान की वस्तुएं खानपान के बर्तन लड़कियों को सामान बेड, रजाई ,गद्दा ,तकिया, पांच साड़ी, पांच बर्तन ,कन्डाल ,प्रेस, पंखा ,नाक का किल , पायल , बिछिया, पलंग बिछिया पहनावा व अन्य उपहार प्रदान किया गया। मिजार्पुर जनपद के प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों द्वारा भी दोनों जोड़ों को उपहार भेंट किया गया एवं भगवान भोलेनाथ की भविष्य की का दर्शन को पूर्ण फल प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला बार असोसिएशन के अध्यक्ष अभय राज सिंह, वह विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ चिकित्सक सी बी जायसवाल, डॉ एके सिंह, इंद्रमणि गुप्ता शिवम सिंह, श्याम बाबू प्रजापति, रमाकांत सिंह, अवनीश सिंह, त्रिलोक नारायण सिंह, विकास सिंह, डॉ गुल चमन, डॉ अनिल सिंह, डॉ प्रदीप सिंह, रत्नेश सिंह गहरवार, प्रीतम सिंह, मंगल सिंह, संजय गुप्ता। जय प्रकाश सेठ। अधिवक्ता राजमणि दुबे,सहित सैकड़ो भक्त गण एवं शहर के मूर्धन्य अधिकारी वर्ग पत्रकार नेता पुलिस आम जनता व सैकड़ो श्रद्धालु जनों ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन किया दोनों जोड़ों को उसकी वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया तथा पूर्ण फल प्राप्त कर उक्त अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत गौरा विकासखंड सुमेरपुर उन्नाव

पत्रांक/लेखाकार आनि/2025-26 दिनांक 16/02/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकासखंड सुमेरपुर में समस्त पंजीकृत वेंडर को सूचित किया जाता है कि मनरेगा योजना के अंतर्गत 2025-26 की स्वीकृति परियोजना पर प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कार्य कराए जाने हेतु निविदाए दिनांक 17/02/2026 से 22 /02/2026 तक को अपराह्न 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 25/02/2026 को 1: 00 बजे तक निर्धारित समय पर उपस्थित समस्त वेंडर के समक्ष खोली जाएगी निविदा प्राप्त दिनांक 17/02/2026 से 22/02/2026 तक को अपराह्न 02 बजे तक निर्धारित समय पर शुल्क जमा कर ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है दिनांक 24/02/2026 तक 2 प्रतिशत जमानत की धनराशि किसी भी राष्ट्रीय कृत बैंक कि FDR/NS के रूप रूप में ग्राम पंचायत गौरा के रूप में बंधक कर संलग्न करना अनिवार्य होगा

कार्य का विवरण	योजना का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख में	जमानत राशि	टेंडर फार्म का मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि
गयादीन के मकान से सीता राम के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	मनरेगा योजना	4.5	9000	500	10 दिन
राधे के मकान से चंद्रिका पासवान के मकान तक इंटरलॉकिंग कार्य	मनरेगा योजना	4.5	9000	500	15 दिन

ऊं हरि हर महाविद्यालय ने प्रांगण में एन एस एस के बच्चों न प्रागंण की साफ सफाई की

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर में ॐ हरिहर स्नातकोत्तर महाविधालय , कुण्डोरा, हमीरपुर के महाविद्यालय प्रांगण में समस्त ठ. रर. शिविरार्थियों को बुलाया गया तथा महाविद्यालय प्रांगण से शिविर स्थल शिव मंदिर प्रांगण दरियापुर तक समस्त -छात्राओं ने पैदल मार्ग किया महाविद्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ठ. र. र. की प्रथम व द्वितीय इकाई के सभी शिविरार्थी शिव मन्दिर प्रांगण में दक्षिणपुर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल की सफाई की तथा शिविर लगाया दोनों स्काई के छान -छात्राओं तथा समस्त स्टाफ व प्राचार्य की उपस्थिति में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन प्रारम्भ किया गया)कार्यक्रम स्वरछता व शिविर का उद्घाटन दरियापुर ग्राम प्रधान आशाराम प्रजापति स्वयं उपस्थित हुए उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। सर्वप्रथम साफ-सफाई व नाश्ते के बाद, समस्त छान - छात्राओं ने ठ.रर. गीत गया व राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने की सौगन्ध ली। सभी कार्यक्रम होने के पश्चात सभी ने जलपान ग्रहण किया व विज्ञान हेतु शिविर में ठहर गए इस समस्त कार्यक्रम के दौरान, ठ.रर. कार्यक्रम अधिकारी भी रक्षा दीस व रफीक मो0 के अलावा, अजीत सिंह, सीमा गुप्ता, मैडम सरिव दुवे, संदीप, मनोज कुमार, अजय कुमार, विश देव आदि उपस्थित रहे।

छत का जीना टूटकर गिरने से युवक गंभीर रूप घायल

अमन लेखनी समाचार

ककरवई, झांसी। ककरवई थाना क्षेत्र के ग्राम कचीर में मंगलवार को छत का जीना टूटकर गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में युवक जीने की चपेट में आ गया, जिससे उसके दोनों पैर दब गए। जानकारी के अनुसार ग्राम कचीर निवासी सुनील अहिरवार (30) पुत्र तुलाराम अपने घर में निर्माण कार्य करा रहा था, तभी अचानक छत का जीना टूटकर गिर गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। फिलहाल युवक का उपचार जारी है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

वर्किंग वूमेन की घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच बैलेंस की बात खूब होती है। यही समझा जाता है वर्किंग वूमेन की तुलना में हाउस वाइफ की जिंदगी आसान है, जबकि इनकी जिंदगी में भी चैलेंज होते हैं। रोज घर के कामों की लंबी फेहरिस्त, घर के हर सदस्य का ध्यान, रिश्तों का निर्वाह, इन सब के बीच बैलेंस की जरूरत होती है। हम यह क्यों नहीं समझते, हाउस वाइफ को भी 'मी टाइम' चाहिए, जो उसके मेंटल के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

होम लाइफ बैलेंस भी है जरूरी

बात जब वर्क लाइफ बैलेंस की हो तो कई पहलुओं पर सोचना जरूरी है। वर्किंग वूमेन, घर और वर्किंग रिस्पांसिबिलिटीज की भाग-दौड़ के बीच कैसे अपने लिए समय निकालें? किस तरह खुद को आराम दें? जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के लिए कौन से तरीके अपनाएं? जैसी बातों का खूब जिक्र होता है और फिक्र भी। वहीं घर में रहने वाली महिलाओं पर होम लाइफ बैलेंस को लेकर आमतौर पर कोई बात नहीं होती है, जबकि घर पर ही रहकर हर समय भाग-दौड़ में लगी रहने वाली महिलाओं के लिए भी संतुलित दिनचर्या जरूरी है। घर-आंगन तक सिमटी महिलाओं की लाइफ में भी एक बैलेंस होना जरूरी है।

काम और आराम के बीच संतुलन

हमारे पारिवारिक परिवेश में दफ्तर से लौटी महिला के थकने या व्यस्त रहने की बात तो होती है, लेकिन घर के भीतर भाग-दौड़ में जुटी महिलाओं को लेकर ऐसा कुछ नहीं सोचा जाता। वर्किंग

वूमेन के ट्रैफिक से जूझने, यात्रा कर दफ्तर तक पहुंचने की उलझनों की बात होती है पर होममेकर्स की शारीरिक भाग-दौड़ और ठहरी, सिमटी-सी जिंदगी में बिखरती मनःस्थिति की उपेक्षा ही होती आई है। सुबह से शाम तक अपनों का खयाल रखने की धुरी पर दौड़ती महिलाओं की परेशानियों की ओर किसी का भी ध्यान ही नहीं जाता। जबकि उनके लिए भी आराम और अंतहीन सूची वाले कामों में एक बैलेंस की जरूरत होती है। घर संभालने का दायित्व निभा रही बहू-बेटियां भी थकती हैं। उनकी दिनचर्या भी आसान नहीं होती। हर समय अपनों के लिए कुछ करने को मौजूद रहने वाली अधिकतर

टाइम मैनेजमेंट भी है आवश्यक

असल में टारगेट सिर्फ ऑफिस में ही नहीं होते। समय सीमा में काम निपटाने, रसोई में कुछ पकाने, रिश्तेदारी में मेल-मिलाप रखने और आस-पड़ोस में लेन-देन निभाने के भी टारगेट होते हैं। समय के सही मैनेजमेंट के बिना घरेलू जिम्मेदारियों की सूची कभी खत्म नहीं हो सकती। ऐसे में खुद महिलाएं भी अपनी संभाल-देखभाल के लिए समय निकालने का प्रयास करें। बात सेहत और फिटनेस के लिए समय निकालने की हो या किसी सहेली से बैठकर बतियाने की। समय प्रबंधन करके ही अपने लिए वक्त निकाला जा सकता है। होम लाइफ में बैलेंस बनाया जा सकता है। देखने में आता है कि नॉन-वर्किंग महिलाओं की पर्सनल लाइफ कहीं पीछे छूट जाती है। अपने हों या पराए, सभी के लिए बहुत कुछ करते हुए भी वे कुछ न करने वाली भूमिका में दिखती हैं। उनका रोल 'टेकन फॉर ग्रांटेड' वाली स्थिति में आ जाता है। दिनभर भाग-भागकर सब कुछ करते रहना अपनों को आम-सी बात लगती है। ऐसे में अपनी सहजता और सुकून के लिए खुद महिलाओं को ही अपने समय का प्रबंधन करना होगा। वरना मल्टीटास्किंग और एकरसता का यह मेल स्ट्रेस और एंग्जाइटी के घेरे में ले आएगा।

स्त्रियां तो रोज घर में सबसे पहले अपने दिन की शुरुआत करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर के छोटे-बड़े सदस्य हर समय कुछ-न-कुछ करने को कहते रहने के बजाय उनके काम और आराम में संतुलन बनाने में मदद करें। कम से कम यह समझने की गलती तो बिल्कुल न करें कि उनका जीवन बहुत आसान है या दिनभर घर पर रहती हैं तो करती ही क्या हैं? कभी ना खत्म होने वाली एक भागम-भाग उनके भी हिस्से होती है। इसीलिए महिलाओं की होम लाइफ में भी बैलेंस जरूरी है।

बाहर की दुनिया से जुड़ाव

जैसे काम-काजी महिलाओं के लिए घर में आराम से समय बिताना भी एक बदलाव होता है। वैसे घर पर रहने वाली स्त्रियों को बाहर जाने से थोड़ा बदलाव महसूस होता है। उनके मन का मौसम बदलता है। आमतौर पर बच्चे, बड़े या जीवनसाथी कोई इस बात को अहमियत नहीं देता। वीकेंड पर घर पर रहने वाले अपने उनकी व्यस्तता और बढ़ा देते हैं। सगे-संबंधियों के यहां किसी कार्यक्रम में जाने के अलावा उनका कहीं और जाना जरूरी नहीं समझा जाता। जबकि महिलाएं रिश्ते-नातेदारी में जाकर भी कोई ना कोई काम करने में ही जुट जाती हैं। ऐसी आउटिंग को फिक्र से दूर मानसिक शांति और मन के बदलाव के लिए समय बिताना नहीं कहा जा सकता। ऐसे में महिलाएं खुद संतुलन की डगर चुनें। अपनी रुचि को भी प्राथमिकता दें।

काम-काजी महिलाओं के समान ही सुबह-सुबह अपने कामों की सूची बनाएं। हर काम की प्राथमिकता तय करें। अपने 'मी टाइम' को लेकर अपनों से स्पष्ट बात करें। हर समय कुछ-न-कुछ करते रहने के बजाय अपनी लिमिट्स भी तय करें। ऐसा करने से ही होम लाइफ बैलेंस बन सकता है। संतुलन की इन परिस्थितियों में आप अपनी हेल्थ और हॉबीज को समय दे सकेंगी। सही शेड्यूल बनाने से टाइम-टु-टाइम ब्रेक लेना भी सहज होगा। यह समय घर के बाहर की दुनिया से जुड़ने और कुछ नया सीखने जैसी स्ट्रेस फ्री एक्टिविटीज में लगाने से, घर और अपने भीतर के मोर्चे पर संतुलन बना रहेगा। a

ऐसे बनाएं खुशहाल दांपत्य जीवन की राह

हर दंपती खुशहाल दांपत्य जीवन की तो कामना करता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर तकरार, अहंकार की वजह से अपने दांपत्य जीवन में कड़वाहट पैदा कर लेता है। इससे पति-पत्नी के बीच दूरियां बढ़ती हैं। दंपती कैसे तनावमुक्त रहें और खुशहाल दांपत्य जीवन की राह बने, जरूरी सलाह।

सलाह

स्नेहा सिंह

शादी के बाद दो लोग सिर्फ एक-दूसरे के जीवन में प्रवेश ही नहीं करते, एक-दूसरे की आदतों, सोच और संस्कारों से भी कहीं ना कहीं प्रभावित होते हैं। विवाह के बाद शुरुआती दिनों में जो बातें प्यारी लगती हैं, वही कुछ दिनों बाद अखरने लगती हैं। इतना ही नहीं बात-बात पर दंपती के बीच तकरार, छोटी-सी असहमति एक बड़ा विवाद का रूप अख्तियार करने लगती है, इससे दूरियां बढ़ती हैं। इन विपरीत स्थितियों में अपने दांपत्य रिश्तों को कैसे सहेजें, इसके लिए किन बातों का ध्यान रखें, जानिए-

बनाए रखें संवाद: पति-पत्नी के रिश्ते की बुनियाद आपसी संवाद पर टिकी होती है। लेकिन जब बात करने की जगह चुप्पी ले लेती है तो ऐसे में गलतफहमियां जन्म लेती हैं। अकसर देखा जाता है कि हम अपनी परेशानी बाहर वालों को तो बता देते हैं, लेकिन अपने जीवनसाथी से बात नहीं करते। मन में दबी बातें धीरे-धीरे बड़ी शिकायतें बन जाती हैं, एक दिन विस्फोट के रूप में बाहर आती हैं। इसलिए एक-दूसरे को समझते हुए खुलकर, बिना डरे और आरोप के बात करना रिश्ते को टूटने से बचाता है। इसलिए दांपत्य जीवन में निरंतर संवाद बहुत जरूरी है।

डगमगाने ना दें विश्वास: आपसी विश्वास के बिना दांपत्य जीवन सिर्फ एक समझौता बनकर रह जाता है। शक, संदेह और निगरानी का भाव रिश्ते के अपनत्व और गर्माहट को खत्म करता है। मोबाइल की जांच करना, देर से आने पर सवाल-जवाब करना या हर बात पर संदेह करना, ये सब बातें धीरे-धीरे दांपत्य प्रेम को विषाक्त कर देती हैं, तलाक तक की नौबत आ जाती है। भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहें, संदेह के बजाय विश्वास बनाए रखें।

एक-दूसरे को समय दें: आज के दौर में साथ बैठकर बातें ना करने का सबसे आसान बहाना बन गया है 'बहुत व्यस्त हूं।' माना कि करियर की जिम्मेदारियों के बीच पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं लेकिन दंपती का कभी-कभी साथ बैठकर बातें साझा करना, डिनर-लंच करना या कभी यूं ही टहलने निकल जाना भी जरूरी है। साथ बिताए छोटे-छोटे मिठास भरे पल रिश्ते में जान फूंकते हैं। समय न देना कलह की शुरुआत की वजह बनता है। इसलिए पति-पत्नी एक-दूसरे को यथासंभव समय जरूर दें।

अहंकार से रहें दूर: दांपत्य जीवन में अहंकार सबसे खतरनाक दुश्मन है। 'मैं क्यों झुकूं, गलती तो उसकी है।' ऐसी सोच रिश्ते को खोखला कर देती है। समझदारी इसी में है, स्वयं सही होते हुए भी चुप रह जाएं, ताकि रिश्ता बचा रहे। झुकना हार नहीं, बल्कि रिश्ते की जीत है। माफी मांगना और माफ करना, पत्नी-पति दोनों को आना चाहिए। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

गुस्से पर रखें काबू: गुस्से में बोले गए शब्द कभी-कभी सालों का प्यार पलभर में खत्म कर देते हैं। क्रोध के क्षणों में मौन रहना और बाद में शांत होकर बात करना कहीं ज्यादा प्रभावी होता है। याद रखिए, शब्दों से लगे घाव दिखाई नहीं देते, लेकिन बहुत गहरे होते हैं।

साथ चलने का नाम है दांपत्य: दांपत्य जीवन दो लोगों की साझा यात्रा है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। प्रेम, विश्वास, संवाद और धैर्य, इन चार स्तंभों पर टिका होता है दांपत्य रिश्ता, जो हर कलह से बचाता है। जब हम जीवनसाथी को गहराई से समझने लगते हैं, तो दांपत्य जीवन में मधुरता घुलती है, दंपती खुशहाल रहते हैं। a

बिहेवियर

ललिता गोयल

कई लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी अपनी राय बना लेते हैं। ऐसा जजमेंटल नेचर आपके पर्सनल-सोशल रिलेशन बनाने में बाधक हो सकता है। इसलिए इससे बचना जरूरी है।

क्या आपका नेचर है जजमेंटल ऐसे करें खुद में बदलाव

हमारे आस-पास कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो किसी भी व्यक्ति या घटना को देखकर बहुत जल्दी अपनी राय बना लेते हैं। वे बिना ज्यादा सोचे-समझे किसी के भी बारे में अपनी राय कायम कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति जजमेंटल नेचर वाले होते हैं। ऐसे लोग अकसर दूसरे में कमियां खोजते रहते हैं।

ऐसे होती है पहचान: आपके आस-पास का कोई व्यक्ति जजमेंटल नेचर का है, इसे आप उसके कुछ बर्तावों से पहचान सकती हैं।

- ऐसे लोग खुद को बहुत अहमियत देते हैं और सामने वाले को छोटा समझते हैं।
- खुद को समझदार और हर विषय का जानकार मानते हैं।
- ये लोग अपनी सलाह खुद देने लगते हैं और दूसरों को अपनी सलाह को मानने के लिए बाध्य भी करते हैं।
- जजमेंटल नेचर वाले लोगों का व्यवहार थोड़ा जिद्दी होता है और वे हमेशा दूसरों से आगे निकलने की चाह में रहते हैं।
- वे अपनी राय को सर्वोपरि मानकर दूसरों की राय को महत्व नहीं देते हैं।
- ऐसे लोग बातचीत के दौरान अकसर तेज आवाज में बोलते हैं।
- ये लोगों को हमेशा 'अच्छे' या 'बुरे' के तराजू में तौलते रहते हैं और अपने आप को सही साबित करने के लिए दूसरों की निंदा और कमियां खोजने से भी नहीं हिचकिचाते हैं।
- ऐसे लोग दूसरों की तारीफ करने या उन्हें प्रोत्साहित करने से बचते हैं।
- ऐसे लोग नकारात्मक सोच के होते हैं।

ऐसे बर्ताव से खुद को बचाएं: अगर आपको उक्त में से कोई बर्ताव खुद में नजर आता है तो आप कुछ बातों पर अमल करके इसमें सुधार कर सकती हैं। जजमेंटल होने से बच सकती हैं।

पूरे नेचर को परखें: कभी-कभी लोग कुछ ऐसा कर जाते हैं, जिसे आप सही नहीं समझते, जैसे किसी के लंच में से उठाकर खा लेना या फिर बाजार में खूब मोलभाव करना। ऐसे में जरूरी है, कि उन्हें उनके बर्ताव के हिसाब से न जज किया जाए। हो सकता है कि उनमें ऐसी कई पॉजिटिव क्वालिटीज भी हों, जिन्हें आपने अभी तक देखा ही नहीं हो। इसलिए किसी डिसीजन पर पहुंचने से पहले पूरी तरह परख लें।

खुद को सामने वाले की जगह पर रखकर देखें: हर इंसान की स्किल्स, नेचर, उनकी जिंदगी के अनुभवों, रहन-सहन के अनुसार होता है। उनकी पर्सनालिटी में उनके साथ किया हुआ बर्ताव, उनकी परिस्थितियां काफी अहम भूमिका अदा करती हैं। इसलिए किसी इंसान को अच्छे से जाने बिना उनके बारे में राय न बनाएं।

अपीयरेंस से न जज करें: हर इंसान अपनी पसंद कंफर्ट के अनुसार तैयार होता है। इस आधार पर उनकी पर्सनालिटी के बारे में जज करना सही नहीं होता। अगर किसी ने टैटू बनवाए हुए हैं तो उसके बारे में यह राय बनाना कि वो गंभीर व्यक्ति नहीं हो सकता, सही नहीं है। इस सोच से उबरना चाहिए।

राय बनाने से पहले लें कुछ वक्त: किसी भी इंसान से सिर्फ 5 मिनट बात करने के बाद उसके बारे में कोई राय बना लेना सही नहीं होता, क्योंकि इतने कम समय में कोई किसी के भी बारे में सब कुछ कैसे जान सकता है। किसी भी इंसान के बारे में अपनी तरफ से राय बनाने से पहले, आपको उनके बारे में सब कुछ जानने की कोशिश करनी चाहिए। किसी के बारे में कोई भी राय बनाने से पहले एक-दूसरे को अच्छी तरह जानने-समझने का मौका दें, नहीं तो सामने वाला भी आपके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जान पाएगा और एक अच्छा रिश्ता बनाने से चूक सकते हैं। a

स्किन केयर

प्रीति गुप्ता

जैसी हो स्किन-वैसी करें केयर

आपकी स्किन हमेशा सॉफ्ट और ग्लोइंग नजर आए, इसके लिए आपको पहले इसके नेचर को समझना होगा। इसके अनुसार जब आप अपनी स्किन केयर करेंगी तो वो हमेशा ग्लोइंग नजर आएगी। यहां आपको बता रहे हैं कि ड्राय और ऑयली स्किन वाली महिलाएं उनकी केयर कैसे कर सकती हैं?

ड्राय स्किन के लिए: अगर आपकी स्किन ड्राय नेचर की है तो आपको यहां बताई जा रही बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

- स्किन क्लींजिंग के लिए हमेशा माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें।
- हर रोज दिन में कम से कम दो बार क्रीम-बेस्ड या हाइड्रेटिंग फेस वॉश से चेहरा साफ करें।
- नहाने के तुरंत बाद मॉयश्चराइजर या कोई जैल क्रीम लगाएं, ताकि स्किन में नमी बनी रहे।
- गुनगुने पानी से ही चेहरा धोएं। बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करने से स्किन की ड्रायनेस बढ़ जाती है।
- हफ्ते में कम से कम एक-दो बार स्क्रब करना न भूलें। स्क्रबिंग करने से डेड स्किन हटती है, चेहरे पर नया ग्लो नजर आता है। लेकिन ध्यान रखें कि स्क्रबिंग ज्यादा न करें।
- फेस क्लीनिंग और स्क्रबिंग के बाद होममेड फेस पैक अप्लाई कर सकती हैं। आप अपनी पसंद या चीजों की उपलब्धता के अनुसार दूध और शहद का फेस पैक अप्लाई कर सकती हैं। या फिर एलोवेरा जैल और नारियल तेल को मिलाकर भी फेस पैक बनाकर अप्लाई कर सकती हैं।

- जब भी दिन के समय घर से बाहर निकलें तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। ड्राय स्किन के लिए क्रीम-बेस्ड एसपीएफ 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऑयली स्किन के लिए: अगर आपकी स्किन ऑयली है तो इसकी केयर करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- फेस धोने के लिए जैल-बेस्ड फेस वॉश का यूज करें।
- दिन में 2-3 बार ऑयल कंट्रोल फेस वॉश से भी चेहरा धोएं। इससे स्किन पर नजर आने वाला एक्सट्रा ऑयल हट जाएगा और फेस फ्रेश नजर आएगा।
- स्किन ऑयली है तो मॉयश्चराइजर लगाना जरूरी नहीं, यह सोच गलत है। मॉयश्चराइजर न लगाने से स्किन और ज्यादा ऑयली हो सकती है। इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं।
- चेहरे को बार-बार न छुएं। इससे पिंपल्स और फेस स्किन ऑयल बढ़ता है।
- आपकी स्किन ऑयली है फिर भी हफ्ते में कम से कम दो बार स्क्रब जरूर करें।
- ऑयली स्किन वाली महिलाओं को भी सनस्क्रीन अप्लाई करना चाहिए।
- सोने से पहले मेकअप जरूर हटा लें। a

(स्किन केयर एक्सपर्ट काजल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रवींद्र गुप्ता

सीनियर कंसल्टेंट फिजीशियन
सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

इन दिनों के बदलते मौसम में जरा सी लापरवाही से आप बीमार हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए आपको अपनी हेल्थ की एक्सट्रा केयर करनी चाहिए। इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

इस मौसम में हेल्थ की करें एक्सट्रा केयर

इन दिनों मौसम का मिजाज बदल रहा है। दोपहर के वक्त तेज धूप खिली होती है और दिन का तापमान लगभग 25 डिग्री सेल्सियस तक होता है। वही शाम ढलते ही ठंडी हवाएं चलने लगती हैं और रात का तापमान 10-12 डिग्री तक पहुंच जाता है। इस दौरान अधिकतर लोग अपनी सेहत की देखभाल के प्रति लापरवाह हो जाते हैं। इससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं होने लगती हैं। आइए जानते हैं, कुछ ऐसी ही समस्याओं और उनके समाधान के बारे में।

पोलेन एलर्जी: फरवरी के महीने में वसंत ऋतु का आगमन हो जाता है और आस-पास के वातावरण में चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिले होते हैं। लेकिन इस दौरान हवा में चारों ओर इन फूलों के पोलेन यानी परागकण उड़ रहे होते हैं। इससे कुछ लोगों को एलर्जी हो जाती है। इस वजह से छींकें आने लगती हैं या सांस लेने में परेशानी होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। इस समस्या से बचाव के लिए घर से बाहर निकलते समय आपको मास्क जरूर पहनना चाहिए।

सर्दी-खांसी-जुकाम: दिन का तापमान

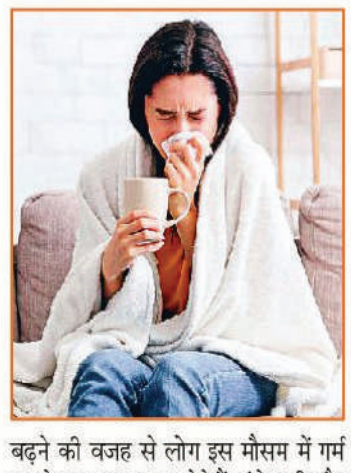

बढ़ने की वजह से लोग इस मौसम में गर्म कपड़े पहनना कम कर देते हैं, ठंडे पानी और आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों का सेवन शुरू कर देते हैं। ऐसी लापरवाही के कारण उन्हें सर्दी, जुकाम और खांसी जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इससे बचाव के लिए सुबह-शाम गर्म कपड़े जरूर पहनें, घर से बाहर निकलते समय सिर और कान ढंककर रखें। गले के इंफेक्शन से बचाव के लिए नमक मिले गुनगुने पानी से गरारे करें। अदरक, तुलसी वाली चाय पिएं और नहाने के लिए अभी भी ठंडे के बजाय हल्के गरम पानी का ही इस्तेमाल करें।

कमजोर इम्यूनिटी से होती हैं कई समस्याएं: बदलते मौसम में वायरस और बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय हो जाते हैं और जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, उनके शरीर पर ऐसे वायरस आसानी से हमला कर देते हैं, जिससे उन्हें बुखार जैसी समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए अपनी डाइट में संतरा, सेब, मौसंबी, अनार, अमरूद और अंगूर जैसे रंग-बिरंगे मौसमी फलों को प्रमुखता से शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, इससे आपका शरीर संक्रमण से सुरक्षित रहेगा।

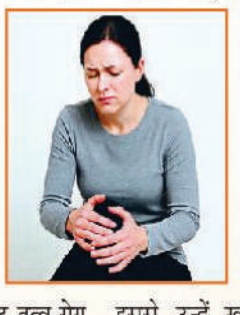

हड्डियों-जोड़ों में दर्द: इस बदलते मौसम में अकसर तेज ठंडी हवाएं चलती हैं, जिससे कुछ लोगों (खासतौर पर पचास से अधिक उम्र के लोगों) को हाथ-पैरों के जोड़ों और हड्डियों में दर्द की समस्या परेशान करती है। जिन्हें पहले से ऑस्टियोपोरोसिस या आर्थराइटिस हो, उन्हें इस मौसम में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जोड़ों को दर्द से बचाने के लिए नी कैप पहनें, गुनगुने तेल की मालिश करें, नियमित वॉक और हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी दर्द से राहत दिलाने में मददगार होती है।

त्वचा संबंधी समस्याएं: बदलते मौसम में तेजी से चलने वाली शुष्क हवाओं के कारण अकसर महिलाओं की त्वचा बहुत ज्यादा रूखी हो जाती है। इससे उन्हें खुजली और रैशेज जैसी समस्याएं परेशान करती हैं। इनसे बचाव के लिए नहाने के बाद पूरे शरीर पर नारियल के तेल या मॉयश्चराइजर से मालिश करें। a

प्रस्तुति: विनीता कुमारी